वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 193 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, शनिवार 25 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

SHORT NEWS

पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाएंः अरुण साव

रायपुर। कोरबा प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को पंडित जवाहरलाल नेहरू सभागार, रामपुर (कोरबा) में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कोरबा प्रेस क्लब को 20 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा भी की। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि कोरबा प्रेस क्लब की पहचान राज्य स्तर पर है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और इसकी गरिमा बनाए रखना प्रत्येक पत्रकार का दायित्व है। उन्होंने कहा कि पत्रकार निष्पक्ष, जिम्मेदार और तथयपरक पत्रकारिता के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत करें।

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

अमलीपदर की रथयात्रा आस्था और संस्कृति की अमूल्य धरोहर : सीएम

रायपुर। अमलीपदर की ऐतिहासिक रथयात्रा छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भगवान श्री जगन्नाथ सबको साथ लेकर चलने और लोककल्याण का संदेश देते हैं। महाप्रभु का आशीर्वाद प्रदेशवासियों पर सदैव बना रहे, यही उनकी प्रार्थना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज गरियाबंद जिले के अमलीपदर में आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ की ऐतिहासिक रथयात्रा महापर्व को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज रथयात्रा महोत्सव में शामिल हुए और भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, राजिम विधायक रोहित साहू, छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीव लोचन महाराज सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार विकास और जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना की अंतिम तिथि, जो जून माह तक निर्धारित थी, उसे उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीन माह बढ़ाकर सितंबर तक कर दिया गया है। उन्होंने लोगों से इस योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इस योजना के माध्यम से प्रतिमाह पात्र महिलाओं के बैंक खातों में सीधे राशि अंतरित की जा रही है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्त होना विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत आधारशिला है और राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए चौबीसों घंटे कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है तथा वे स्वयं प्रतिदिन शिकायतों की समीक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 42 हजार से अधिक शिकायतों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है, जो सुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

बाल्टीजोर नाले पर बनेगा पुल

क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बाल्टीजोर नाले पर पुल निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पुल बनने से क्षेत्र के लोगों को वर्षभर सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में बड़ी राहत मिलेगी।

पेपर लीक संशोधन बिल को कैबिनेट की मंजूरी

27 जुलाई को संसद में पेश हो सकता है, मोदी का आधी रात मैसेज- सख्त कानून लाएंगे

नई दिल्ली। पेपर लीक संशोधन बिल को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। शुक्रवार को संसद में पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक हुई। बिल को 27 जुलाई को संसद में पेश किया जा सकता है।

मोदी ने गुरुवार आधी रात 12 बजे छात्रों के लिए वीडियो संदेश जारी किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार पेपर लीक के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान करने वाला कानून बनाएगी।

पीएम मोदी ने एक्स हैंडल पर 2.56 मिनट का एक वीडियो मैसेज पोस्ट किया। कहा-

पेपर लीक कोई मामूली विषय नहीं है। लाखों छात्रों, उनके माता-पिता के लिए पीड़ादायक है। इसलिए पेपर लीक से अब तक, पिछले ढाई महीनों में कई कदम उठाए हैं। गुनहगारों को पकड़ा है, वे जेल में हैं। हमारी जिम्मेदारी थी कि छात्रों का साल बर्बाद न हो, इसलिए कम समय में 22 लाख छात्रों का एग्जाम कराया। 19 जुलाई को रिजल्ट भी आ गया।

पीएम मोदी ने गुरुवार को ही पेपर लीक केस के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाने की बात कही थी। दरअसल, यह पूरा मामला 3 मई को हुए ह्वश्वश्ज्ञ त्त पेपर लीक से जुड़ा है।

इसी ह्वश्वश्ज्ञ त्त पेपर लीक के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन कर रही है। सोनम वांगचुक ने 26 दिन अनशन किया और संसद में सांसद हंगामा कर रहे हैं।

फिलहाल मामले की जांच CBI कर रही है। इसमें महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली समेत कई राज्यों में पड़ताल हुई। अबतक 13 आरोपी पकड़े गए हैं। CBI जल्द ही इस चार्जशीट फाइल कर सकती है।

21 जुलाईः पेपर लीक घोर पाप है

NDA संसदीय दल की बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कहा था कि पेपर लीक घोर पाप है। सरकार को जैसे ही जानकारी मिली, उसने तुरंत कार्रवाई की। अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। राज्यों से भी सहयोग की अपील की ताकि भविष्य में पेपर लीक रोके जा सकें।

23 जुलाईः पेपर लीक केस की जांच करने फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएंगे

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा था- देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द सजा देने, केस के निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स बनाए जाएंगे। इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा।

राज्यपाल डेका से निजी विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां लोकभवन में राज्य के निजी विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय स्थापना एवं संचालन (संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना से संबंधित प्रावधानों पर राज्यपाल से विचार-विमर्श किया। श्री डेका ने राज्य में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के विस्तार के सबंद्ध में अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति गजराज पगारिया, शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई दुर्ग के कुलाधिपति आईपी मिश्रा, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलाधिपति सुशील चंद्राकर, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति डॉ. संदीप अरोड़ा, आईएसबीएम विश्वविद्यालय, गरियाबंद और रायपुर के कुलपति डॉ. आनंद महलवार, अंजनेय विश्वविद्यालय रायपुर के कुलाधिपति अभिषेक अग्रवाल, दावड़ा विश्वविद्यालय रायपुर के सीईओ चिन्मय दावड़ा, कोलंबिया विश्वविद्यालय रायपुर के प्रो. कुलाधिपति हरजीत सिंह हूरा उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने SASCI 2026-27 के तहत सुधार कार्यों की प्रगति की समीक्षा

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर में राज्यों को पूंजीगत निवेश हेतु विशेष सहायता योजना 2026-27 के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे सुधार कार्यों एवं उनके क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से विभागवार मासिक कार्ययोजना तैयार कर उसके अनुसार कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा, ताकि योजना के तहत तय लक्ष्यों को समय पर हासिल किया जा सके। बैठक में राज्यों को पूंजीगत निवेश हेतु विशेष सहायता योजना 2026-27 के तहत जारी दिशा-निर्देशों एवं विभिन्न परिचालन गाइडलाइंस के अनुरूप विभागवार सुधार कार्यों की प्रगति, अब तक की उपलब्धियों तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, समयबद्ध लक्ष्य-पूर्ति तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने प्रबुद्ध नागरिकों से किया संवाद

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में प्रबुद्ध एवं सम्मानित नागरिकों से उनके निवास पर पहुंचकर आत्मीय मुलाकात की तथा संवाद किया।

इस दौरान वित्त मंत्री चौधरी ने चाँदनी चौक स्थित संगीत एवं नृत्य गुरु श्री शरद वैष्णव से भेंट कर उनके कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में योगदान की सराहना की। उन्होंने फ्रेंड्स कॉलोनी, कोतरा रोड बायपास में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के सदस्य डॉ. राजू अग्रवाल से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। साथ ही सुभाष नगर, कोतरा रोड में भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ नेता श्री एल.पी. कटकवार से भेंट कर विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा की।

इसी क्रम में उन्होंने पूर्व प्राचार्य एवं सरस्वती शिशु मंदिर से जुड़े वरिष्ठ शिक्षाविद् श्री बाबूलाल चंद्रा से भी मुलाकात की। वित्त मंत्री ने प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं पेंटिंग आर्टिस्ट श्री पी.एस. खोडियार, सेवानिवृत्त प्राध्यापक श्री प्रताप खुरियार तथा श्रीमती कल्याणी मुखर्जी से भी उनके निवास पर पहुंचकर आत्मीय संवाद किया।

सभी स्थानों पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा रामचरितमानस की प्रति भेंट की। उन्होंने कहा कि समाज के वरिष्ठ एवं प्रबुद्ध नागरिकों का अनुभव, ज्ञान और मार्गदर्शन राष्ट्र निर्माण की अमूल्य पूंजी है। उनके विचार और जीवनानुभव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने सेवा, सुशासन, विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। विशेष जनसंपर्क अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचकर संवाद स्थापित किया जा रहा है तथा केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी साझा की जा रही है।

इस अवसर पर सभी सम्मानित नागरिकों ने वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास एवं जनकल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

पति ने मांगा तलाक, पत्नी ने की 2-करोड़ की डिमांडः

हाईकोर्ट बोला- मानसिक क्रूरता, ऐसी मांग से रिश्ता बचना मुश्किल; महिला की अपील खारिज

बिलासपुर। शादी के करीब 2 साल बाद पति-पत्नी के रिश्ते में दरार आ गई। तलाक के मामले में मध्यस्थता के दौरान पत्नी ने स्थायी भरण-पोषण के लिए पति से 2 करोड़ रुपए की डिमांड कर दी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इस अत्यधिक मांग को पति के प्रति मानसिक क्रूरता माना है।

साथ ही पत्नी की याचिका खारिज करते हुए फैमिली कोर्ट के उस फैसले को सही ठहराया, जिसमें महिला के लिए 10 लाख रुपए का स्थायी भरण-पोषण तय किया गया था।

अपने फैसले में हाईकोर्ट ने कहा कि जब अत्यधिक और असामान्य आर्थिक मांग के कारण मध्यस्थता विफल हो जाती है, तो इसका स्पष्ट मतलब है कि रिश्ता उस मोड़ पर पहुंच चुका है जहां से वापसी संभव नहीं है। ऐसे हालात में शादी को जबरन बनाए रखने का दबाव बनाना पति पर मानसिक क्रूरता के समान है।

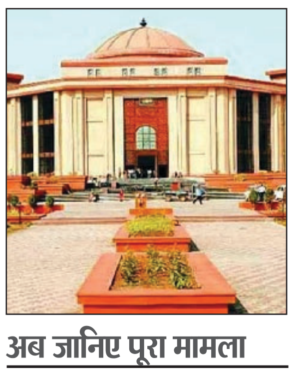

अब जानिए पूरा मामला

दरअसल, रायपुर निवासी दंपती की शादी 29 जून 2020 को हुई थी, लेकिन शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के रिश्ते बिगड़ गए। पति का आरोप था कि पत्नी 7 फरवरी 2022 को अपने भाई की शादी का बहाना बनाकर मायके गई और करीब 35 लाख रुपए मूल्य के पुश्तैनी जेवर व अन्य कीमती सामान साथ ले गई।

इसके बाद महिला थाना और सखी सेंटर में हुई काउंसलिंग के बावजूद उसने वापस लौटने से इनकार कर दिया। इसके बाद पति ने फैमिली कोर्ट में हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक की अर्जी लगाई।

फैमिली कोर्ट ने पति की आय और पत्नी की शैक्षणिक योग्यता को ध्यान में रखते हुए 10 लाख रुपए का स्थायी गुजारा भत्ता तय किया था। इस फैसले के खिलाफ महिला ने हाईकोर्ट में अपील की थी। इसमें उसने गुजारा भत्ता बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए देने की मांग की।

हाईकोर्ट ने 18 जून 2026 को दोनों पक्षों को आपसी सहमति से स्थायी गुजारा भत्ते की राशि तय करने के लिए मध्यस्थता केंद्र भेजा था। सुनवाई के दौरान सामने आया कि मध्यस्थता के दौरान पत्नी ने एकमुश्त 2 करोड़ रुपए की मांग रखी।

पति ने अपनी वित्तीय स्थिति और व्यावसायिक खातों का ब्योरा देते हुए इस राशि को अत्यधिक बताया और इसे देने में असमर्थता जताई, इसके कारण दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं हो सका।

महिलाओं की मजबूत आजीविका ग्राम विकास का मूल आधार : उपायुक्त

कोरिया। सरगुजा संभाग के उपायुक्त आर के खूंटे गुरुवार को कोरिया जिले में निरीक्षण भ्रमण करने पंहुचे। इस दौरान उन्होंने जनपद पंचायत सोनहत में विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया और महिलाओं की आजीविका गतिविधियों का निरीक्षण किया।

बिहान से जुड़कर अलग अलग स्वरोजगार से आत्मनिर्भर बनती हुई महिलाओ से संवाद करने के बाद वह सोनहत स्थित जनपद पंचायत कार्यालय पंहुचे और कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का बारीकी से अवलोकन कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस दौरान जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मनोज कुमार जगत, कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जंगल कैफे अनूठी पहल

वनांचल सोनहत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत घुघरा में जिला प्रशासन कोरिया द्वारा जंगल कैफे बनाया गया है। इस जंगनल कैफे का संचालन बिहान योजना अंतर्गत जय मां संतोषी स्व सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। उपायुक्त सरगुजा खूंटे ने महिलाओ से संवाद करते हुए उनके आय व्यय की जानकारी प्राप्त की। प्रतिदिन दो हजार रुपए से ज्यादा की नियमित आय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने

स्वच्छता के साथ खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर हमेशा ध्यान रखने के निर्देश दिए।

कौशल उन्नयन आवश्यक

अपने निरीक्षण भ्रमण के दौरान उपायुक्त खूंटे सोनहत जनपद अंतर्गत ग्राम सलगवांकला में स्थापित सामुदायिक प्रबंधकीय प्रशिक्षण केंद्र(सी एम टी सी) एवं (लाइवलीहुड सेवा केंद्र) सलगवांकला का निरीक्षण करने पंहुचे। यंहा उन्होंने समूह की महिलाओं से चर्चा कर संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने प्रत्येक महिला को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए कौशल उन्नयन करने की समझाइश दी।

अपने निरीक्षण के लिए सामुदायिक प्रबंधकीय प्रशिक्षण केंद्र(सी एम टी सी) एवं रैब् (लाइवलीहुड सेवा केंद्र) सलगवांकला पंहुचे उपायुक्त खूंटे ने परिसर में एक पेड़ मां के नाम एक फलदार पौधा लगाया। उन्होंने परिसर में उपस्थित समूह के दीदियों को अपने घरों में पौधा लगाने हेतु पौधे का वितरण भी किया।

भ्रमण में कोरिया पंहुचे संभाग उपायुक्त खूंटे ने जनपद पंचायत कार्यालय सोनहत का बारीकी से निरीक्षण किया। कार्यालय के विभिन्न शाखाओ के लेखा एवं नास्तियों का अवलोकन करते हुए शासकीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में दस्तावेज संधारण को अत्यंत महत्वपूर्ण बतलाया। उन्होंने सभी कर्मियों को नियमित रूप से अभिलेखों को अद्यतन करने के निर्देश दिए।

मानवीय संवेदना के साथ मरीजों का उपचार करें : कलेक्टर

महासमुंद। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आज शाम कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुविधाजनक और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सक मानवीय संवेदना के साथ मरीजों का उपचार करें एवं सकारात्मक व्यवहार करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अनुपमा आनंद, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव, जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीलू धृतलहरे, बीएमओ, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (टीबी), राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर लंगेह ने कहा कि वर्ष 2026 तक टीबी मुक्त पंचायत, टीबी मुक्त विकासखंड एवं टीबी मुक्त जिला बनाने के लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ प्राप्त किया जाए। इसके लिए संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच, उपचार तथा उपचार पूर्ण होने तक सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों के लिए संचालित निक्षय पोषण योजना सहित अन्य सुविधाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए तथा जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की सहभागिता से जनजागरूकता अभियान चलाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में टीबी उन्मूलन को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाए, जिससे नए मरीजों की शीघ्र पहचान एवं उपचार सुनिश्चित हो सके।

पोर्टा केबिन आवासीय विद्यालय देवगांव के छात्र का प्रयास आवासीय विद्यालय में चयन

नारायणपुर। पोर्टा केबिन आवासीय विद्यालय, देवगांव के लिए गर्व का विषय है कि विद्यालय के एक छात्र का चयन प्रयास आवासीय विद्यालय में हुआ है। छात्र की यह उपलब्धि उसकी कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा विद्यालय में संचालित गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक गतिविधियों का परिणाम मानी जा रही है। विद्यालय की अधीक्षक रंजीता नाग के कुशल नेतृत्व एवं प्रेरणा से विद्यार्थियों के लिए शालेय समय के अतिरिक्त नियमित रूप से स्मार्ट क्लास के माध्यम से विशेष प्रयास कोचिंग संचालित की जाती है। इस कोचिंग का संचालन वर्ष 2022 से खिलेन्द्र देवांगन द्वारा लगातार किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर मिल रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में भी विद्यालय के 4 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

कलेक्टर के आवाहन पर कोरिया में मातृशक्तियों ने सम्हाली कैच द रेन अभियान की कमान

निरंतर रैली से जनजागरूकता और सुरक्षित परिसरों में पौधारोपण कार्य आरंभ

कोरिया । बारिश की हर बूंद को संचित करने के महती उद्देश्य को लेकर आरंभ किए गए कैच द रेन अभियान में मातृशक्तियों ने कमान सम्हाल ली है। कलेक्टर कोरिया रोक्तिमा यादव के निर्देशन में आने वाले समय में कोरिया जिले में प्रत्येक घर इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। जल संरक्षण की इस महत्वपूर्ण संकल्पना के साथ कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने ग्रामीण क्षेत्र में स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है जिसके सार्थक परिणाम सामने आने लगे हैं। कोरिया जिले में स्व सहायता समूहों की महिलाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर जन जागरूकता के लिए रैली का आयोजन कर रही हैं। इसके साथ ही वह प्रकृति के संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ते हुए ग्राम पंचायतों में

स्थित शासकीय परिसरों के सुरक्षित घेरे में पौधारोपण भी कर रही हैं।

भारत सरकार द्वारा जारी किए गए कैच द रेन अभियान के लिए कलेक्टर कोरिया रोक्तिमा यादव के निर्देशन में वातावरण निर्माण कार्य तेजी से आरंभ किया गया है। इसके लिए पूरे जिले में दीवार पर जलसरंक्षण और जलसंवर्धन के नारे सरल भाषा में लिखवाए गए हैं। इसके अलावा स्व सहायता समूह की महिलाएं अपने अपने गांवों में जागरूकता के लिए रैली का आयोजन कर रही हैं। गत दिवस सोनहत क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में महिलाओं ने जलसंरक्षण के बैनर सहित गांव के प्रमुख सड़कों पर जागरूकता रैली का आयोजन किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रकृति के संरक्षण के लिए सबसे आवश्यक पहल के अंतर्गत महिलाएं अब पौधारोपण कार्य भी आरंभ कर चुकी हैं। गत दिवस विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्थित शासकीय कार्यालय भवनों, ग्राम पंचायत कार्यालयों के अतिरिक्त विद्यालयों और चिकित्सालयों के परिसर में भी पौधारोपण कार्य आरंभ कर दिया गया है।

संरचनाओं का निर्माण जारी'

कैच द रेन अभियान के अंतर्गत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए जिला पंचायत सीईओ योगेन्द्र श्रीवास ने बताया कि कलेक्टर कोरिया रोक्तिमा यादव के निर्देश पर विभाग की सभी महत्वपूर्ण योजनाओं वीबीजीरामजी तथा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत अलग-अलग संरचनाओं के निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। उन्होने बताया कि वर्तमान में कोरिया जिले के 60 ग्राम पंचायतों में कंटूर टेंऊ्च, सोख्ता गढढे, वाटर एब्जार्वेशन टेंक, कंटीन्यूएस कंटूर पाल जैसी संरचनाओं के माध्यम से जलसंरक्षण और भूजल संवर्धन के कार्य कराए जा रहे हैं।

कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने कैच द रेन अभियान को जन अभियान बनाए जाने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि जिले में यह महत्वपूर्ण कार्य प्रत्येक परिवार की सहभागिता से पूरा किया जाएगा। इसके लिए महिलाएं आगे आ चुकी हैं और अब जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर हर गांव में प्रोत्साहन और सहभागिता से यह कार्य होगा ताकि सभी के समेकित प्रयास से हम कोरिया जिले में कैच द रेन के तहत जल संरक्षण और भूजल संवर्धन के संकल्प को पूरा कर सकें।

महासमुंद व बागबाहरा के कुल 88 दिव्यांगजनों को 135 निःशुल्क सहायक उपकरणों का वितरण

महासमुंद। जिले के दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर एवं सुगम जीवन उपलब्ध कराने जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के समन्वय से आज डॉ. भीमराव अंबेडकर मांगलिक भवन, बागबाहरा रोड, महासमुंद में नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर किया गया।

शिविर में विकासखंड महासमुंद एवं बागबाहरा के चिन्हांकित दिव्यांगजनों को विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। यह कार्यक्रम एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में संचालित कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योजना के अंतर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), जबलपुर के सहयोग से आयोजित किया गया। इससे पूर्व प्रथम चरण में जिले में मूल्यांकन एवं चिन्हांकन शिविर आयोजित कर पात्र दिव्यांगजनों का चयन किया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत महासमुंद की अध्यक्ष दिशा रामस्वरूप दीवान एवं उपाध्यक्ष हुलसी चंद्राकर ने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान कर उनके बेहतर जीवन एवं आत्मनिर्भरता की कामना की। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला पंचायत सीईओ अनुपमा आनंद मौजूद थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों ने उपस्थित सभी दिव्यांगजनों एवं प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाते हुए समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

शिविर में विकासखंड महासमुंद के 67 दिव्यांगजनों को बैटरी चालित ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, ट्राइसाइकिल, वॉकिंग स्टिक, सुगम्य केन तथा टीएलएम किट सहित विभिन्न सहायक उपकरण नि:शुल्क वितरित किए गए। वहीं विकासखंड बागबाहरा के 21 दिव्यांगजनों को बैटरी चालित ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, ट्राइसाइकिल, वॉकिंग स्टिक, स्मार्टफोन एवं टीएलएम किट प्रदान किए गए। इस प्रकार कुल 88 दिव्यांगजनों को 135 सहायक उपकरणों का नि:शुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर उप संचालक समाज कल्याण संगीता सिंह, जनपद पंचायत महासमुंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एलिम्को जबलपुर के प्रबंधक बंशीलाल साकेत, कनिष्ठ प्रबंधक धर्मेंद्र यादव, एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के रीजनल मैनेजर राजेश बाघमारे, प्रशासनिक प्रबंधक विनीत भाटी सहित समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन से श्रमिक को मिला 5 दिनों में लंबित मजदूरी का भुगतान

कोरिया। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से श्रमिक की शिकायत का त्वरित निराकरण करते हुए श्रम विभाग ने लंबित मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित कराया। इससे एक श्रमिक को समय पर भुगतान मिलने के साथ उसकी आर्थिक समस्या का समाधान हुआ।

ग्राम बचरा, विकासखंड बैकुण्ठपुर निवासी गोविन्द कुमार ने नियोक्ता गुलाम कादरी के अधीन पुट्टी लगाने का कार्य किया था। कार्य पूर्ण होने के बावजूद उनकी मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया। इस पर उन्होंने 17 जून 2026 को अपनी समस्या के समाधान के लिए सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत प्राप्त होने पर श्रम विभाग ने तत्काल प्रकरण का संज्ञान लेते हुए दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया। इसके पश्चात नियोक्ता द्वारा श्रमिक को ?26,500 (छब्बीस हजार पांच सौ रुपये) की लंबित मजदूरी का भुगतान किया गया। शिकायत दर्ज होने के मात्र 5 दिनों के भीतर श्रमिक को उसकी पूरी मजदूरी प्राप्त हो गई।

लाभार्थी गोविन्द कुमार ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराने के बाद श्रम विभाग ने त्वरित कार्रवाई कर उनकी समस्या का समाधान कराया। उन्होंने इस सहायता के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कलेक्टर रोक्तिमा यादव, श्रम विभाग एवं सीएम हेल्पलाइन के प्रति आभार व्यक्त किया।

'वीबीजीरामजी में सबसे पहले बालिकाओं के लिए शौचालय की स्वीकृति प्रक्रिया शुरू'

कोरिया। विकसित भारत ग्रामीण रोजगार एंव आजीविका मिशन ग्रामीण के तहत पंचायतों के समेकित विकास के लिए कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति का क्रम आरंभ हो गया है।

कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने गत दिवस जिले मे पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समस्त योजनाओं की प्रगति पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए थे। उन्होने वीबी जीरामजी योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं के विद्यालय तथा आवासीय परिसरों में सुव्यवस्थित शौचालय बनाए जाने के निर्देश दिए थे। जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होने कहा कि शौचालयों के निर्माण से बालिकाओं के विद्यालय में बेहतर वातावरण बनाने में मदद मिलेगी। बच्चियों

को सुंदर, स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण हेतु संसाधन उपलब्ध होने से वह सकारात्मक माहौल में अच्छे से अध्ययन कर सकेंगी।

इस अनुक्रम मे पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख जिला पंचायत सीईओ योगेन्द्र श्रीवास ने जनपद पंचायतों से चिन्हित कार्यस्थलों के तकनीकी प्रस्ताव मंगाकर उनकी प्रशासकीय स्वीकृति की आनलाइन प्रक्रिया आरंभ कर दी है। विदित हों कि जिले के दोनों जनपदों द्वारा युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से तकनीकी प्रस्ताव सिक्योर पोर्टल पर अपलोड किए जा रहे हैं। जल्द ही प्रशासकीय स्वीकृति के बाद लगभग 70 बालिका शौचालय निर्माण कार्य आगामी सप्ताह से अलग अलग ग्राम पंचायतों में नियत स्थानों पर आरंभ हो जाएंगे।

जिला पंचायत कोरिया के मुख्यकार्यपालन अधिकारी योगेन्द्र श्रीवास ने बताया कि कलेक्टर रोक्तिमा यादव के निर्देशानुसार सबसे पहले जिले में बालिकाओं के विद्यालय परिसर में शौचालय कार्यों की स्वीकृति प्रदान की जा रही है। इसके लिए शिक्षा विभाग से सूची मंगाकर आवश्यकता अनुसार प्राथमिकता क्रम में लगभग 70 स्थानों पर शौचालय निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति के आदेश जारी किए जा रहे हैं। शौचालयों की स्वीकृति के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से बंद पड़े बोरवेल की सूची लेकर उपयोगिता के आधार पर वीबीजीरामजी योजना के अंतर्गत सेंड फिल्टर कार्य तथा मुक्तिधाम शेड के कार्यों को कराया जाएगा।

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

कोरिया। कलेक्टर रोक्तिमा यादव के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में तथा जिला मिशन समन्वयक के नेतृत्व में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल कुशहा में ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम हुआ।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म का सुरक्षित उपयोग करने के साथ-साथ फिशिंग, लॉटरी फ्रॉड, पहचान चोरी जैसे साइबर अपराधों से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें सुरक्षित डिजिटल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए मजबूत पासवर्ड का उपयोग करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने तथा किसी भी व्यक्ति के साथ ओटीपी, पिन और पासवर्ड साझा नहीं करने की सलाह दी गई। साथ ही इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स (ट्विटर) सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ उपयोग करने के लिए भी जागरूक किया गया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न महिला एवं बाल हितैषी योजनाओं की भी जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को सखी वन स्टॉप सेंटर, शक्ति सदन, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, महिला हेल्पलाइन-181, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, पुलिस हेल्पलाइन-112 तथा छत्तीसगढ़ महिला कोष सहित अन्य योजनाओं एवं सेवाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

शासन की जनहितकारी डिजिटल पहलः सेवा सेतु पोर्टल बना भरोसा, राजेन्द्र कुमार सारथी को मिला स्थायी जाति प्रमाण पत्र

जांजगीर-चांपा । शासन की जनहितकारी डिजिटल पहल सेवा सेतु पोर्टल आम नागरिकों के लिए पारदर्शी, सरल और समयबद्ध शासकीय सेवाओं का सशक्त माध्यम बन रहा है। इसके माध्यम से अब आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र सहित शासन की विभिन्न सेवाओं का लाभ नागरिकों को बिना अनावश्यक भागदौड़ के आसानी से मिल रहा है। जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा निवासी राजेन्द्र कुमार सारथी इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जिन्हें सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार के सदस्य रोजल सारथी का स्थायी जाति प्रमाण पत्र सहजता से प्राप्त हुआ।

राजेन्द्र कुमार सारथी ने बताया कि पूर्व में स्थायी जाति प्रमाण पत्र बनवाने में उन्हें कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मिसल उपलब्ध नहीं होने, वंशावली के मिलान में कठिनाई तथा आवश्यक अभिलेखों के सत्यापन में समय लगने के कारण उनका आवेदन लंबे समय तक लंबित रहता था। सेवा सेतु पोर्टल लागू होने के बाद पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और ऑनलाइन हो गई। शासन के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार परिवार के सदस्य का वर्ष 2006 के बाद जारी स्थायी जाति प्रमाण पत्र आधार बनने से उनका आवेदन शीघ्र स्वीकृत हो गया। प्रमाण पत्र जारी होते ही उसकी पीडीएफ सीधे उनके व्हाट्सएप नंबर पर प्राप्त हुई तथा उन्हें जाति प्रमाण पत्र की प्रति भी प्रदान की गई। आवेदन की प्रत्येक चरण की जानकारी भी समय-समय पर व्हाट्सएप के माध्यम से मिलती रही, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सुविधाजनक बनी रही।

सारथी ने बताया कि अब लोक सेवा केंद्र के माध्यम से निर्धारित शुल्क पर आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र आसानी से प्राप्त हो रहे हैं। सेवा सेतु पोर्टल ने न केवल नागरिकों का समय और धन बचाया है। उन्होंने राज्य शासन की इस जनहितकारी डिजिटल पहल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु पोर्टल ने शासकीय सेवाओं को वास्तव में आम नागरिकों के द्वार तक पहुंचा दिया है। अब आवश्यक प्रमाण पत्र समय पर, पारदर्शी प्रक्रिया के तहत और बिना किसी परेशानी के उपलब्ध हो रहे हैं। सेवा सेतु पोर्टल डिजिटल सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो शासन की सेवाओं को अधिक सरल, सुलभ, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाते हुए आम लोगों के जीवन को सुविधाजनक बना रही है।

शिल्पकारों की आय बढ़ाने ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर सरकार का विशेष फोकस : शालिनी

बांस शिल्प केंद्र नारायणपुर का किया निरीक्षण, शिल्पकारों से संवाद कर सुनी समस्याएं

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ राज्य हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने नारायणपुर स्थित बांस शिल्प केंद्र का दौरा कर शिल्पकारों से आत्मीय संवाद किया तथा उनके द्वारा तैयार किए जा रहे हस्तशिल्प उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने शिल्पकारों की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार स्थानीय कला, संस्कृति और पारंपरिक हस्तशिल्प को नई पहचान दिलाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य शिल्पकारों को केवल प्रोत्साहन देना ही नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक बाजार से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना भी है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य हस्तशिल्प विकास बोर्ड शिल्पकारों द्वारा निर्मित उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग और प्रभावी मार्केटिंग की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। सरकार की प्राथमिकता है कि नारायणपुर सहित पूरे प्रदेश के हस्तशिल्प उत्पाद देश-विदेश के बाजारों तक पहुंचें, जिससे शिल्पकारों को उनके श्रम का उचित मूल्य मिले और उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो। राजपूत ने शिल्पकारों से समय की मांग के अनुरूप नवीन डिज़ाइन और उपयोगी बांस उत्पाद तैयार करने का आह्वान करते हुए कहा कि उत्कृष्ट उत्पादों के विपणन के लिए शबरी एम्पोरियम को एक मजबूत मंच के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध होगा और शिल्पकारों को स्थायी आजीविका का आधार मिलेगा।

उन्होंने कहा, हम सभी को मिलकर बांस की इस समृद्ध कला एवं कारीगरी को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। अधिक से अधिक युवा और महिलाएं इस कला से जुड़ें, इसके लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा। जब ज्यादा लोग इस परंपरागत कला से जुड़ेंगे, तब रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी सुरक्षित रहेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाया जाए, आधुनिक तकनीकों का समावेश किया जाए तथा शिल्पकारों की आवश्यकताओं के अनुरूप हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उत्पादन की गुणवत्ता, डिज़ाइन नवाचार और विपणन व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान बोर्ड अध्यक्ष ने बांस शिल्प केंद्र में संचालित प्रशिक्षण गतिविधियों, उत्पादन प्रक्रिया, तैयार उत्पादों की गुणवत्ता तथा उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन किया और आवश्यक सुझाव भी दिए। उन्होंने शिल्पकारों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि नारायणपुर का बांस शिल्प अपनी विशिष्ट पहचान रखता है और इसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने के लिए बोर्ड पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

कलेक्टर ने नीट में सफल विद्यार्थियों का किया सम्मान, मिठाई खिलाकर दी शुभकामनाएं

नारायणपुर। जिला प्रशासन द्वारा संचालित परियना जेईई/नीट आवासीय कोचिंग सेंटर, गरांजी ने एक बार फिर उत्कृष्ट परिणाम देकर जिले का नाम रोशन किया है। नीट-2026 परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का आज जिला कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर नम्रता जैन ने मिठाई खिलाकर, उपहार भेंट कर एवं सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर नम्रता जैन ने कहा कि जिले के विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय स्तर की कठिन प्रतियोगी परीक्षा में सफलता अर्जित करना पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

परियना जेईई/नीट आवासीय कोचिंग सेंटर के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में विज्ञान संकाय के कुल 102 छात्र-छात्राओं ने नीट-2026 परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 11 विद्यार्थियों ने सफलता पूर्वक परीक्षा क्वालीफाई किया। परियना के दो छात्राएं भावनी मांझी का शासकीय मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम हेतु चयन सुनिश्चित हो चुका है, जबकि श्वेता ठाकुर के भी शासकीय मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में चयन की प्रबल संभावना है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, एसडीएम डॉ सुमित गर्ग, जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र नाथ पांडे सहित शिक्षकगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से किसानों को बड़ी राहत, खरीफ 2025 के 7.90 करोड़ रुपए से अधिक के बीमा दावों का हुआ भुगतान

कुल 8.82 करोड़ रुपए से अधिक का दावा स्वीकृत, शेष 92.10 लाख रुपए के भुगतान की प्रक्रिया जारी

जशपुरनगर । प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत जिले के किसानों को फसल नुकसान की भरपाई के रूप में बड़ी राहत मिली है। खरीफ वर्ष 2025 के लिए जिले के किसानों की कुल 8 करोड़ 82 लाख 24 हजार 55 रुपए की बीमा दावा राशि निर्धारित की गई है। इसमें से 7 करोड़ 90 लाख 13 हजार 272 रुपए का भुगतान डिजी क्लेम के माध्यम से सफलतापूर्वक किया जा चुका है। शेष 92 लाख 10 हजार 738 रुपए की दावा राशि के भुगतान की प्रक्रिया भी डिजी क्लेम के माध्यम से की जा रही है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों से होने वाले फसल नुकसान के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। योजना के तहत प्रतिकूल मौसम, बाढ़, कीट-व्याधि, ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली सहित अन्य प्राकृतिक आपदाओं से फसल को हुए नुकसान की स्थिति में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार दावा भुगतान की पात्रता होती है। इसके साथ ही कम वर्षा अथवा विपरीत मौसम के कारण बुवाई विफल होने तथा फसल कटाई के बाद आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने के लिए रखी गई फसल को ओलावृष्टि, चक्रवात, बेमौसम अथवा चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने की स्थिति में भी योजना के प्रावधानों के तहत बीमा सुरक्षा प्रदान की जाती है।

खरीफ 2025 में जशपुर जिले के किसानों द्वारा सिंचित धान, असिंचित धान, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी, मूंगफली, अरहर एवं उड़द सहित अधिसूचित फसलों का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा कराया गया था। फसल नुकसान के आकलन एवं निर्धारित प्रक्रिया के बाद पात्र किसानों के लिए कुल 8.82 करोड़ रुपए से अधिक की दावा राशि बनी है। कृषि विभाग ने बताया कि डिजी क्लेम के माध्यम से भुगतान की व्यवस्था से दावा राशि सीधे और पारदर्शी तरीके से पात्र किसानों तक पहुंचाई जा रही है। अब तक कुल दावा राशि का अधिकांश हिस्सा सफलतापूर्वक भुगतान किया जा चुका है तथा शेष राशि के भुगतान की कार्रवाई प्रचलित है।

उप संचालक कृषि एम.आर. भगत ने जिले के किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत ऋणी एवं अऋणी कृषक, भू-धारक एवं बटाईदार शामिल हो सकते हैं। अधिसूचित फसल उगाने वाले इच्छुक गैर-ऋणी किसान भी आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर योजना से जुड़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि गैर-ऋणी किसान बुआई पुष्टि प्रमाण-पत्र को क्षेत्रीय पटवारी अथवा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से सत्यापित कराकर भूमि संबंधी एवं अन्य आवश्यक

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति व जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना : कक्षा 6वीं प्रवेश की काउंसलिंग निरस्त

बेमेतरा। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए 14 जुलाई 2026 को आयोजित की गई काउंसलिंग की कार्यवाही निरस्त कर दी गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि शासन द्वारा जारी संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्व में संपन्न काउंसलिंग की प्रक्रिया को निरस्त किया गया है। अब नई काउंसलिंग संशोधित निर्देशों के अनुरूप आयोजित की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार काउंसलिंग की नई तिथि एवं आवश्यक दिशा-निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे आगामी सूचना के लिए जिला प्रशासन के आधिकारिक माध्यमों पर नजर बनाए रखें।

ट्रैक्टर से पहुंचा सरकारी राशन, अबूझमाड़ के दुर्गम गांवों तक पहुँची सुशासन की नई मिसाल

नारायणपुर। अंदरूनी क्षेत्रों में राशन प्राप्त करने के लिए 40 से 50 किलोमीटर तक पैदल चलना, पहाड़ों और नदी नालों को पार करना तथा दो से तीन दिन का कठिन सफर तय करना अबूझमाड़ के ग्रामीणों की नियति थी। बरसात के मौसम में तो कई गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट जाता था और राशन पहुँचना लगभग असंभव हो जाता था। लेकिन आज जिला प्रशासन नारायणपुर की अभिनव पहल ने इस कठिन तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है।

कलेक्टर नम्रता जैन के नेतृत्व में अपनाए गए ट्रैक्टर आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) मॉडल ने दुर्गम गांवों तक सरकारी राशन की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कर ग्रामीणों के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। अबूझमाड़ के ओरछा क्षेत्र के थुलथुली, गोमागाल, मुरूमवाड़ा, आदेर, जाटलूर, जटवर, बालेबेड़ा, हांदावाड़ा, पीडियाकोट सहित अनेक गांव वर्षों तक सड़क और परिवहन सुविधाओं से वंचित रहे। ग्रामीणों को 35 किलोग्राम चावल एवं अन्य आवश्यक खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए लंबी पैदल यात्रा करनी पड़ती थी। कई बार बारिश के कारण नदियां और नाले उफान पर होने से राशन वितरण महीनों तक प्रभावित हो जाता था।

इन परिस्थितियों को देखते हुए जिला प्रशासन ने पारंपरिक परिवहन व्यवस्था के स्थान पर ट्रैक्टर आधारित विकेन्द्रीकृत वितरण प्रणाली लागू की। मुख्य गोदामों से ट्रैक्टरों के माध्यम से सीधे गांवों तक राशन पहुँचाया जाने लगा। साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर नए पीडीएस भवनों की स्वीकृति, प्रत्येक गांव के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति तथा मानसून से पूर्व तीन से चार माह का अग्रिम राशन भंडारण जैसी प्रभावी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गईं। इन प्रयासों का परिणाम आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। जिन गांवों तक कभी सरकारी राशन पहुँचना चुनौती था, वहां अब नियमित रूप से समय पर खाद्यान्न उपलब्ध हो रहा है। ग्रामीणों को कई दिनों की कठिन पैदल यात्रा से मुक्ति मिली है, उनका समय और श्रम दोनों बच रहे हैं तथा मानसून के दौरान भी खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

ग्रामीणों के अनुसार पहली बार जब सरकारी राशन से लदा ट्रैक्टर गांव पहुँचा तो वह केवल खाद्यान्न ही नहीं, बल्कि प्रशासन के प्रति विश्वास और विकास की नई उम्मीद भी लेकर आया। अब राशन कार्ड केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि समय पर मिलने वाले अधिकार का माध्यम बन चुका है।

सीएमएचओ डॉ. जी.एस. जात्रा ने लक्ष्य के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

जशपुरनगर। स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों का बेहतर संचालन के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांसाबेल में गुरुवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. संध्या रानी टोप्पो द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी सेक्टर प्रभारी, सेक्टर सुपरवाइजर, ब्लॉक नोडल अधिकारी, एसटीएस, एमटीएस, एनएमए, सीएचओ, आरएचओ, एएनएम एवं जेएसए मौजूद रहे।

बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सीएमएचओ डॉ. जी.एस. जात्रा ने अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने तथा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एनसीडी कार्यक्रम के तहत लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति, एचपीवी टीकाकरण अभियान, आयुष्मान कार्ड निर्माण से वंचित हितग्राहियों के लिए माइक्रो प्लान, मलेरिया कार्यक्रम, निश्चय निरामय पोर्टल में एंट्री की प्रगति, शिशु एवं मातृत्व स्वास्थ्य, सीडीआर,एमडीआर एवं हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की समीक्षा की गई।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर, स्वास्थ्य मेला, मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन के संचालन सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

खरोरा में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहनः ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने जताया विरोध

खरोरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खरोरा के तत्वाधान में आज केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री से तत्काल इस्तीफे की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन की मुख्य बातें:

पुतला दहनः ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खरोरा के सदस्यों ने एकसाथ एकत्र होकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका।

इस्तीफे की मांग: कार्यकर्ताओं का कहना था कि देश की शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं और धांधली की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री को अपने पद से तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

जोरदार नारेबाजी: प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और युवाओं व छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करने की मांग की।

वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी

इस विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रमुख अश्विनी वर्मा पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जब तक जनहित और छात्रों के हित में उचित कदम नहीं उठाए जाते, तब तक इस तरह का विरोध प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा।

इस दौरान कार्यक्रम में खरोरा मंडल अध्यक्ष रविंद्र बबलू भाटिया, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवव्रत नायक,युवा कांग्रेस पूर्व प्रदेश सचिव जुबेर अली जिला उपाध्यक्ष आनंद गिलहरे, सुरेंद्र गिलहरे, भागबली ध्रुव प्रदीप मढ़रिया जितेंद्र चंद्राकर, अमित उइके अनिल मारकोष,धनेश वर्मा संत नवरंगे शशांक चंद्राकर भानु प्रताप भट्ट सूरज ठाकुर मिराज खान रशीद खान सतीश पटेल,होलेंद्र बंजारे संदीप साहू,ललित कटारे, लखेश्वर कोसले, शत्रुघ्न,छोटू यादव,इरफान खान, चंद्रशेखर देवांगन सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस शामिल हुए.उपरोक्त जानकारी मिडिया प्रभारी भानुप्रताप भट्ट ने दी।

कार्यों में गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखें : कलेक्टर

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने पत्थलगांव के जनपद पंचायत सभाकक्ष में निर्माण पोर्टल के माध्यम से जिले में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने विभागवार एवं योजनावार स्वीकृत निर्माण कार्यों की प्रगति, पूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों तथा लंबित कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार और निर्माण एजेंसी और अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा कार्यों की प्रगति को निर्माण पोर्टल पर समय-समय पर अद्यतन किया जाए, ताकि कार्यों की वास्तविक स्थिति की प्रभावी निगरानी की जा सके। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने धीमी प्रगति वाले निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराने तथा संबंधित अधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। समस्त और प्रारंभ कार्यों को 3 अगस्त तक प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों का उद्देश्य आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और उपयोगिता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण पोर्टल में दर्ज जानकारी को अद्यतन एवं वास्तविक स्थिति के अनुरूप रखने पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया की त्वरित पहल रंग लाई आकाशीय बिजली से मृतक की पत्नी को मिला मुआवजा

जशपुरनगर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर संचालित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया एक बार फिर जरूरतमंद परिवार के लिए राहत का माध्यम बना।सीएम कैंप कार्यालय में की गई गुहार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आकाशीय बिजली की चपेट में आकर जान गंवाने वाले व्यक्ति की पत्नी को 4 लाख रूपये की मुआवजा राशि उपलब्ध करा दी गई।

राहत राशि मिलने के बाद परिजनों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी संवेदनशील पहल से समय पर न्याय और आर्थिक सहायता मिल सकी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम झरन (मसरिघाट), पोस्ट घुमरा, तहसील तपकरा निवासी मुनिका बाई विश्वकर्मा के पति की आकाशीय बिजली गिरने से असामयिक मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद लंबे समय तक मुआवजा राशि नहीं मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में आवेदन देकर सहायता की गुहार लगाई थी।आवेदन प्राप्त होते ही मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय ने संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद प्रशासन ने प्रकरण का शीघ्र निराकरण करते हुए प्रक्रिया करते हुए आवेदिका के बैंक खाते में मुआवजा राशि का भुगतान करा दिया।

मुआवजा राशि मिलने पर आवेदिका एवं उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी समस्या का त्वरित समाधान हुआ, जिससे संकट की घड़ी में परिवार को बड़ी राहत मिली।गौरतलब है कि मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी केंद्र बनकर उभरा है। यहां प्राप्त होने वाले आवेदनों पर तेजी से कार्रवाई की जा रही है, जिससे जशपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को समयबद्ध राहत मिल रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है, जहां उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता और तत्परता के साथ निराकरण किया जा रहा है।

पीएम ने तो कह दिया कड़ी सजा मिलनी चाहिए

देश में नीट पेपर लीक को लेकर बवाल थम नहीं रहा है। तमाम नेताओं,परिवारों, छात्रों, राजनीतिक दलों के बयान इस मामले में आ चुके हैं।सब यही तो चाहते हैं कि इसके लिए जो दोषी लोग हैं, उनको कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि फिर कोई इस तरह का अपराध करते हुए डरे।सब यही तो चाहते हैं कि देश नीट परीक्षा ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर जो भी प्रतियोगी परीक्षा होती है, जिसमें देश भर से लाखों युवा शामिल होते हैं,उसके पेपर लीक नहीं होने चाहिए। पीएम मोदी से भी इस मामले में कुछ कहने की उम्मीद की जा रही थी। पीएम ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में दो टूक कह दिया है कि यह नीट पेपर लीक घोर पाप है।इस घोर पाप में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं ताकि कोई भी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ न कर सके।भविष्य मे ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सभी राज्य सरकारों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केंद्र के साथ मिलकर काम करना चाहिए क्योंकि यह देश हित का मामला है।

पीएम मोदी ने सच कहा है कि नीट पेपर लीक मामले में तुरंत कार्रवाई की गई है।13 लोगों की गिरफ्तारी हुई है।दोबारा परीक्षा कराकर परिणाम घोषित कर दिया गया है।जहां तो दोषी लोगों को सजा दिलाने की बात है तो यह तो सरकार का काम नहीं है। यह तो अदालत का काम है।नीट पेपर लीक मामले में दोषी लोगों को कैसे कड़ी सजा हो सकती है, देश के वरिष्ठ वकीलों को इसके लिए सामने आना चाहिए। जहां तक परीक्षा के लिए और बेहतर व्यवस्था बनाने का सवाल है तो यह देश की समस्या है इसका समाधान सड़क पर तो नहीं हो सकता,संसद में ही हो सकता है इसलिए इस पर संसद में बहस होनी चाहिए और सभी दलों को इसमें चर्चा कर सुझाव देना चाहिए कि नीट परीक्षा की ऐसी व्यवस्था कैसे बन सकती है कि कोई पेपर लीक न कर सके। राज्यों में जब पेपर लीक हुआ करते थे तो कांग्रेस शासित राज्यों के नेता यह कहते थे कि यह राज्य की समस्या नहीं है यह को केंद्र की समस्या है।देश की समस्या है तो इसका समाधान सभी राष्ट्रीय दलों के सरकार के साथ मिलकर ढूंढना होगा। सरकार तो चाहती है कि नीट पेपर लीक मामले में संसद में सार्थक बहस हो ताकि इस समस्या का कोई समाधान तलाशा जा सके। विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित पेपर लीक मामले में आंदोलन कर रहे संगठन व राजनीतिक दल यही नहीं चाहते हैं वह संसद में चर्चा के लिए शर्त जोड़ देते हैं, आए दिन नई नई शर्त जोड़ देते हैं कि सरकार ऐसा करेगी तब ही हम संसद में नीट पेपर लीक मामले में चर्चा करेंगे।सब इस मामले होड़ कर रहे हैं कि इस मामले को कौन कितने जोर शोर से उठा सकता है।एक संगठन जंतर मंतर पर आंदोलन कर रहा है, वांगचुक अस्पताल में अनशन कर रहे हैं।जंतर मंतर वालों की पहले एक ही मांग थी अब वह एक से ज्यादा हो गई है। वांगचुक की मांगें भी बदलती रही है,राहुल गांधी की मागें भी बदलती रही है। जब उन्होंने पीएम आवास के बाहर धरना दिया तो उनकी मांग थी कि नीट पेपर लीक मामले मे संसद मे चर्चा होनी चाहिए।सरकार इस पर राजी हो गई तो उनकी मांग बढ़ गई उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होगा,पीएम छात्रों से माफी मांगेंगे तो ही संसद में वह चर्चा करेंगे।

राहुल गांधी सहित अलग संगठनों की मांगें ऐसी हैं कि सरकार उनको पूरा नहीं कर सकती। क्योंकि सभी मांगें जायज नहीं है क्योंकि इससे युवाओं का कोई हित नहीं होता है, परीक्षा व्यवस्था नहीं सुधरेगी,यह तो राजनीति है,यह तो सरकार को झुकाने का प्रयास है और देश के युवाओं को संदेश देने का प्रयास है कि देखो जो जंतर मंतर में बैठे हैं वह सरकार को नहीं झुका सकते, सरकार को हम झुका सकते हैं, इसलिए युवाओं को हमपर भरोसा करना चाहिए।राहुल गांधी तो कहते रहे हैं यह कमजोर सरकार है,पीएम मोदी कमजोर पीएम है, वह चीन व अमरीका के सामने सरेंडर कर देते है।ऐसे भी मोदी सरकार राहुल गांधी के न मानने योग्य मांगों को मानकर राहुल गांधी की बातों को सच तो साबित नहीं कर सकती। राहुल गांधी भी जानते हैं कि वह जो मांग कर रहे हैं,वह मोदी सरकार मानने से रही।मोदी सरकार मानेगी नहीं और संसद में नीट पेपर लीक पर बहस नहीं होगी और इस मुद्दे पर देश में संसद के भीतर व बाहर बवाल होता रहेगा।

राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और उनकी जिम्मेदारी विपक्ष को एकजुट करना और मजबूत करना है लेकिन नीट पेपर लीक मामले में वह कांग्रेस के राजनीतिक हित के लिए विपक्ष को भरोसे में लेकर काम नहीं कर रहे हैं।इससे उन पर आम आदमी पार्टी को आरोप लगाने का मौका मिल रहा है कि राहुल गांधी व कांग्रेस युवाओं का आंदोलन को कमजोर कर रहे हैं।नाराज सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संसद में कह दिया कि कांग्रेस व सरकार के बीच समझौता हो गया है क्योंकि राहुल गांधी व कांग्रेस नेताओं ने पीएम आवास के पास धरना दिया तो इस बात की जानकारी अखिलेश को पहले नहीं दी गई, बाद में दी गई और वह देर से पहुंच थे धरनास्थल पर। अखिलेश यादव का मानना है कि नीट आंदोलन का श्रेय कांग्रेस अकेले लेना चाहती है, अकेले राहुल गांधी को देना चाहती है।वह कांग्रेस व सपा के बीच आपसी तालमेल ठीक नहीं होने से नाराज हैं। संसद में उनको बोलने का मौका जल्दी नहीं दिए जाने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई है। यह कांग्रेस ने पहली बार नहीं किया है,इससे पहले कांग्रेस ने तमिलनाडु मे अपने राजनीतिक फायदे के लिए द्रमुक को धोखा दिया है।अब आप व सपा को दिया है, यह बात विपक्ष को पसंद नहीं आ रही है और इसका नुकसान विपक्ष की एकजुटता को हो रहा है।

प्रकृति का मान करो, भगवान का भी स्वतः सम्मान हो जाएगा

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव ईश्वर का स्वरूप माना गया है। हमारे ऋषि-मुनियों ने पर्वतों, नदियों, वृक्षों, सूर्य, चंद्रमा और पंचतत्वों की पूजा कर यह संदेश दिया कि प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जब मनुष्य प्रकृति का सम्मान करता है, तब वह अनजाने में ईश्वर की भी आराधना करता है। इसके विपरीत, जब प्रकृति का दोहन और अनादर होता है, तो उसका दुष्प्रभाव केवल पर्यावरण पर ही नहीं, बल्कि हमारी आस्था और जीवन पर भी दिखाई देता है।

हाल के वर्षों में बाबा अमरनाथ हिमलिंग का समय से पहले पिघल जाना लोगों के बीच चिंता का विषय बना हुआ है। लगातार तीसरे वर्ष ऐसा होना केवल एक प्राकृतिक घटना भर नहीं, बल्कि यह हमें पर्यावरण संरक्षण का गंभीर संदेश भी देता है। बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संतुलन में हो रहे बदलाव यह संकेत देते हैं कि अब समय आ गया है जब हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा।

आज विकास और आधुनिकता की दौड़ में जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, पहाड़ों का अंधाधुंध दोहन और पंचतत्वों के साथ लगातार छेड़छाड़ की जा रही है। धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के कारण कई स्थानों का प्राकृतिक सौंदर्य प्रभावित हो रहा है। जहां स्वच्छता, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाना चाहिए, वहां कई बार प्लास्टिक कचरा, गंदगी और अव्यवस्था देखने को मिलती है। यह स्थिति न केवल प्रकृति, बल्कि हमारी धार्मिक आस्था के लिए भी चिंताजनक है।

भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत की पूजा के माध्यम से यह संदेश दिया था कि प्रकृति ही परमात्मा का साक्षात रूप है। यदि हम पर्वतों, नदियों, जंगलों और जीव-जंतुओं का सम्मान करेंगे, तो वही ईश्वर की सच्ची पूजा होगी। मंदिरों में दीप जलाने के साथ यदि हम एक पौधा भी लगाएं, जल स्रोतों को स्वच्छ रखें और पर्यावरण की रक्षा करें, तो हमारी भक्ति और अधिक सार्थक होगी।

आज आवश्यकता केवल सरकारी प्रयासों की नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जागरूकता की भी है। हर व्यक्ति यदि प्रकृति के संरक्षण को अपना नैतिक दायित्व मान ले, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुंदर और संतुलित पर्यावरण मिल सकेगा। प्रकृति और परमात्मा एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। इसलिए प्रकृति का सम्मान करना ही भगवान का वास्तविक सम्मान है, और यही मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म भी है।

एंटरटेनिंग आंत्रप्रेन्योर बोरियत को भी बिजनेस में बदल देते हैं

जिंदगी जब ठहर-सी जाए, एंग्जायटी बढ़ने लगे और आप खुद को चारदीवारी में फंसा महसूस करें तो आप क्या करते हैं? मैं यह स्थिति अकसर विश्वविद्यालयों के नए स्टूडेंट्स, खासकर होस्टलर्स में देखता हूं, जिन्हें समझ नहीं आता कि रविवार को नए शहर में आखिर क्या करें। सबसे पहले उन्हें यही लगता है कि यहां से भाग छूटें।

वे बिना सोचे-समझे अंतहीन वीडियो स्क्रॉल करते हैं, आंखें दुखने तक बिंजवॉच करते हैं या फिर वीडियो गेम्स में खो जाते हैं। इससे उन्हें कुछ समय की राहत तो मिलती है, लेकिन आखिर में वे खालीपन महसूस करते हैं। संक्षेप में, वे एंटरटेनमेंट को कंज्यूम तो करते हैं, लेकिन शायद ही उसे क्रिएट करने का सोचते हैं। लेकिन क्या हो अगर बोरियत दूर करने का आपका कोई साधारण तरीका, कोई लेट-नाइट स्ट्रेस-रिलीफ डूडल या पालतू डॉग से जुड़ा कोई मजाक ही करोड़ रुपए के ग्लोबल स्टार्टअप का बीज बन जाए?

लखनऊ की बहनों, मृणालिनी मित्रा (27) और न्योनिका (26) की यह असाधारण कहानी आज होस्टल के कमरे में बैठे किसी युवा के लिए बेहतरीन सीख है। यह साबित करती है कि जब आप एंटरटेनमेंट को इनोवेशन की भावना से देखते हैं तो लिविंग रूम में किया साधारण काम भी ग्लोबल बिजनेस में बदल सकता है।

कुछ साल पहले मृणालिनी और न्योनिका वहीं खड़ी थीं, जहां पहुंचने का सपना भारत के कई महत्वाकांक्षी युवा देखते हैं। मृणालिनी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट थीं और न्योनिका ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डिग्री ली थी। विदेशों में प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट इंटर्नशिप और शानदार ग्लोबल कॅरिअर उनका इंतजार कर रहे थे।

तभी उन्होंने सुना कि उनकी मां को कैंसर है तो यह उनके लिए बड़ा सदमा था। एक पल भी सोचे बिना दोनों बहनें सारे प्लान छोड़कर मां की देखभाल के लिए लखनऊ के राजेंद्र नगर स्थित घर लौट आईं। घर का माहौल भारी था और दोनों पर बेहद भावनात्मक दबाव था। इससे निपटने के लिए परिवार ने एक नियम बनाया कि हर रविवार बोर्ड गेम्स खेले जाएंगे। यह कठिन समय में मन को थोड़ी-सी खुशी देने का जरिया था।

जैसे वनीला आइसक्रीम में चॉकलेट मिलाई जाती है, वैसे ही जब दोनों बहनों ने एंटरटेनमेंट में इनोवेशन को मिलाया तो उनकी साधारण पारिवारिक कहानी उद्यमिता की मिसाल बन गई। ज्यादातर लोग बस बाजार से कोई साधारण-सा बोर्ड गेम खरीद लेते हैं। लेकिन मित्रा बहनों ने एंटरटेनमेंट के साथ इनोवेशन करने का फैसला किया और अपनी एक दुनिया बनाने की ठानी।

कठिन हालात में घर में खुशी के पल लाने वाले अपने पालतू डॉग 'यासु' से प्रेरित होकर बहनों ने कुछ कैरेक्टर्स की स्केचिंग शुरू की। खाली कार्ड्स पर पौराणिक कथाएं, हाथ की चित्रकारी, ओरिजिनल म्यूजिक और निजी किस्से पिरोए। शुरुआत में यह सिर्फ तनाव दूर करने की थैरेपी जैसा था, ताकि वे एक-दूसरे को हंसा सकें और रोजमर्रा में खुशी से जुड़े रहें।

उन्होंने कोई बिजनेस प्लान नहीं बनाया। बस, थोड़ा मजा करने का बेहतर तरीका ईजाद किया। लेकिन जब उन्होंने हाथ से बनाए कैरेक्टर्स यूट्यूब पर शेयर किए तो वे इंटरनेट पर देखे जाने लगे। लोगों का जबरदस्त इंगेजमेंट मिला। अनजान भी पूछने लगे कि यह गेम कहां से खरीद सकते हैं।

इसी पल बहनों को एहसास हुआ कि उनके निजी स्ट्रेस-बस्टर में कारोबारी संभावना भी है। ऐसे समय में जब टेक स्टार्टअप लागत बचाने के लिए एआई-जनरेटेड आर्टवर्क इस्तेमाल कर रहे हैं, इन बहनों ने एक साहसिक और उम्मीदों के विपरीत राह चुनी- हर चित्र अपने हाथों से बनाया। इस महीने की शुरुआत में उनके इस 'लिविंग रूम स्ट्रेस-बस्टर' ने एक लाख डॉलर (करीब 95.45 लाख रुपए) से ज्यादा का रेवेन्यू कमाया। 40 देशों में इस गेम के खरीदार हैं।

फंडा यह है कि जब आप अपने फन को इनोवेटिव बनाते हैं, विचारों को डॉक्यूमेंट में उतारते हैं और उन्हें ऑनलाइन शेयर करते हैं, साथ ही मानते हैं कि आपकी कल्पना महज समय बिताने का साधन नहीं बल्कि एक संभावित सम्पत्ति है तो कोई साधारण-सा खेल भी ग्लोबल बिजनेस का बीज बन सकता है।

|| *हम भटक गये है*||

रिश्तों की मधुरता से भटके दिखावे की तरफ

प्रेम की कोमलता से भटके भौतिकता की तरफ

अतिथि देवो भव से भटके कब जाओगे अतिथि??

वसुधैव कुटुम्ब से भटके सिर्फ हम और हमारे बच्चे

हम भटक गये है हमारे जीवन मूल्य बदल गये है!!

*कविता शर्मा *आत्मा "*

दुनिया के तीन बड़े नेताओं की गलतियां हमें क्या सिखाती हैं?

ट्रम्प, नेतन्याहू और पुतिन एक-दूसरे से बिल्कुल अलग व्यक्तित्व वाले नेता हैं, लेकिन उनमें एक समानता है- तीनों को यह गलतफहमी है कि किसी भी सभा में सबसे बुद्धिमान व्यक्ति वही होते हैं। तीनों ने अपने आसपास चाटुकारों की फौज इकट्ठा कर रखी है, इसलिए वे ऐसे युद्धों में उलझ गए हैं, जिनसे बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं दिखता।

सबसे पहले नेतन्याहू की बात करें। अपना संतुलन खो देने- और अपने साथ मोसाद के नेतृत्व को भी उसी दिशा में ले जाने का संकेत उनके दो फैसलों में स्पष्ट दिखाई देता है। पहला, यह मान लेना कि इजराइल केवल हवाई हमलों से तेहरान की सत्ता को गिरा सकता है। दूसरा, यह विश्वास करना कि वह ईरान का अगला नेता चुन सकता है।

1982 में मैंने देखा था कि किस तरह लेबनान की ईसाई मिलिशिया ने मोसाद को यह विश्वास दिला दिया था कि एक त्वरित सैन्य अभियान के जरिए इजराइल बेरूत में फिलिस्तीन-विरोधी नेता बशीर गेमायेल को राष्ट्रपति बना सकता है। तभी से मोसाद के बारे में मेरी यह धारणा रही है कि यदि आपको बेरूत या तेहरान में किसी की हत्या करानी हो, तो मोसाद को बुलाइए। पर यदि आपको बेरूत या तेहरान के राजनीतिक-सामाजिक रुझानों को समझना हो, तो उसके पास मत जाइए। जिस कारण वह पहले काम में माहिर है, वही उसे दूसरे काम में कमजोर बनाता है।

मोसाद इजराइल के दुश्मनों का पता लगाकर उनका खात्मा करने में बेहद सक्षम है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि वह लेबनान, ईरान, वेस्ट बैंक और अरब जगत के अन्य हिस्सों में असंतुष्ट नागरिकों की भर्ती करने में सिद्धहस्त है। समस्या यह है कि यही लोग अकसर अपनी सरकार की कमजोरी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं और यह आभास देते हैं कि उसे गिराना आसान होगा। परिणाम यह होता है कि ट्रम्प जैसे व्यक्ति- जिन्हें इतिहास की समझ नहीं है- यह मान बैठते हैं कि यदि मोसाद हत्याएं करने में सक्षम है, तो वह यह अनुमान लगाने में भी उतना ही सक्षम होगा कि उनके मारे जाने के अगले दिन क्या होने वाला है।

यही वजह है कि फरवरी में व्हाइट हाउस में हुई बैठक के दौरान जब नेतन्याहू और मोसाद चीफ डेविड बरनिया ने कहा कि यदि इजराइल और अमेरिका मिलकर ईरान के शीर्ष नेताओं की हत्या कर दें तो वहां की सरकार गिर जाएगी और उसकी जगह अच्छे लोग सत्ता सम्भाल लेंगे, तो ट्रम्प ने इसे गम्भीरता से ले लिया। उन्होंने मान लिया कि ईरान भी उसी तरह उनके हाथ आ जाएगा, जैसे वेनेजुएला आ गया था।

ट्रम्प और नेतन्याहू अकेले ऐसी गफलतों के शिकार नहीं हैं। पुतिन ने भी अपनी ही बनाई इस धारणा पर यकीन कर लिया कि यूक्रेन के लोग फिर से 'मदर रशिया' का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं और कीव की सरकार आसानी से गिर जाएगी। पुतिन की सबसे बुनियादी भूल यह मान बैठना था कि यूक्रेनी और रूसी एक ही लोग हैं और यूक्रेन की स्वतंत्रता केवल पश्चिम द्वारा गढ़ी गई कृत्रिम अवधारणा है। ईरान के मामले की ही तरह रूसी खुफिया एजेंसियां भी उन रूस-समर्थक स्रोतों पर अत्यधिक निर्भर रहीं, जिन्होंने मॉस्को को वही बताया जो वह सुनना चाहता था, बजाय इसके कि वे वास्तविकता का आकलन प्रस्तुत करते।

नेतन्याहू ने हमास, हिजबुल्ला और तेहरान के खिलाफ सामरिक स्तर पर भले ही सफलताएं हासिल की हों, लेकिन वे उन्हें इजराइल के लिए किसी नई रणनीतिक वास्तविकता में बदलने में सफल नहीं हुए हैं। ट्रम्प ने बिना किसी सहयोगी, बिना अंतरराष्ट्रीय वैधता और बिना वैकल्पिक योजना के ईरान पर हमला करने का निर्णय लेकर अमेरिका को कमजोर और अलग-थलग कर दिया।

साथ ही उन्होंने ईरान को दो ऐसे सस्ते और प्रभावी तरीकों का महत्व समझा दिया, जिनसे वह व्यापक व्यवधान पैदा कर सकता है- पहला, होर्मुज पर नियंत्रण; और दूसरा, अमेरिका के खाड़ी स्थित सहयोगी देशों को निशाना बनाना। और पुतिन रूस के कमजोर लोकतंत्र को एक पुलिस-स्टेट में बदल चुके हैं, जिसकी अर्थव्यवस्था पेट्रोलियम पर निर्भर है। आज एआई क्रांति में रूस कहीं दिखाई नहीं देता। ये तीनों नेता एक ऐसी बंद गली में पहुंच चुके हैं, जहां से निकलने के लिए वे बमबारी का सहारा लेने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रम्प, नेतन्याहू और पुतिन- तीनों को यह गलतफहमी है कि किसी भी सभा में सबसे बुद्धिमान व्यक्ति वही होते हैं। तीनों ने अपने आसपास चाटुकारों की फौज इकट्ठा कर रखी है, इसलिए वे ऐसे युद्धों में उलझ गए हैं, जिनसे बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं दिखता।

(द न्यूयॉर्क टाइम्स से)

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

मंथरा कैकेईजी की छिपी हुई दुर्बलता से भली-भाँति परिचित थी जो समाज को नहीं दिखाई दे रही थी। मंथरा ने कैकेईजी से कहा कि मुझे तो कोई राज्य मिलने वाला है नहीं। मैं तो अपने लिए कोई चिंता नहीं कर रही हूं। मैं तो जो कुछ चाहती हूं वह तुम्हारे भले के लिए चाहती हूं। पर मैं तुमसे यह जानना चाहती हूं कि संसार में प्रत्येक मां यह चाहती है कि उसके बेटे की उन्नति हो, उसका बेटा आगे बढ़े। लेकिन तुम सौत के बेटे के राज्य का समाचार सुनकर प्रसन्न हो रही हो, ऐसा क्यों ? कैकेईजी ने कहा कि मंथरा, तुम्हें यह पता नहीं है कि सारी माताओं के प्रति राम का वैसा ही प्रेम है जैसा कौशल्या के प्रति। मंथरा ने कैकेईजी से पूछा, तो क्या राम अपनी माता के बराबर आपको चाहते हैं ? कैकेईजी ने कहा कि नहीं-नहीं, मंथरा ! उनमें यही तो अंतर है कि वे अन्य

माताओं को तो कौशल्याजी के बराबरी से चाहते हैं पर मेरे लिए ? – मो पर करहिं सनेह विशेषी – मेरे प्रति उनका विशेष स्नेह है। और भई ! यही अहंकार का मनोविज्ञान है। अहंकारी चाहता है कि सबके साथ बराबरी का व्यवहार किया जाए पर हमारे प्रति व्यवहार में कोई विशेषता होनी ही चाहिए। सबसे जो व्यवहार किया गया अगर वही हमसे भी किया गया तो फिर हमारी क्या विशेषता रही ? और जब कैकेईजी की बात सुनी तो मंथरा मन-ही-मन हँसकर सोचने लगी, अच्छा ! भीतर यह अहंकार कहीं-न-कहीं छुपा हुआ है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

देश में युवाओं और छात्रों के आंदोलनों का इतिहास रहा है

छात्र आंदोलनों के रूप में सरकार बड़ी चुनौती का सामना कर रही है। युवाओं के प्रदर्शन दिल्ली ही नहीं, देशभर के शहरों में फैल गए हैं। अतीत में झांककर देखें तो छात्र आंदोलन अकसर खतरे की घंटी साबित होते हैं। 1973 में गुजरात के मोरबी कॉलेज के छात्रों द्वारा मेस में शुल्क वृद्धि के विरोध में शुरू किया गया आंदोलन देखते ही देखते देशव्यापी जनांदोलन में बदल गया था। इसने दो मुख्यमंत्रियों की कुर्सी छीन ली, आपातकाल की घोषणा का मार्ग प्रशस्त किया और अंततः केंद्र की राजनीति में ऐसा भूचाल लाया कि 1977 में इंदिरा गांधी को हार का सामना करना पड़ा।

यकीनन, इतिहास के दो क्षण कभी एक जैसे नहीं होते और यह अनुमान लगाना अभी बहुत जल्दबाजी होगी कि मौजूदा विरोध-प्रदर्शन किस दिशा में जाएंगे। लेकिन इतना जरूर है कि सरकार को इस सम्भावना पर गम्भीरता से विचार करना होगा कि यदि आज सड़कों पर दिखाई दे रहे युवाओं के आक्रोश का शीघ्र और प्रभावी सुधारात्मक कदमों के साथ समाधान नहीं किया गया, तो इसके क्या परिणाम हो सकते हैं।

दिसम्बर 1973 में लौटते हैं। मोरबी कॉलेज में छात्रों के उग्र प्रदर्शन के बाद 40 छात्रों को निलम्बित कर दिया गया था और कॉलेज को अनिश्चितकाल के लिए बंद करना पड़ा था। कुछ ही दिनों में अहमदाबाद के इंजीनियरिंग कॉलेज में भी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और जनवरी 1974 तक गुजरात विश्वविद्यालय के छात्र भी आंदोलन पर उतर आए।

राज्यभर के छात्र संगठनों ने तीन दिन की हड़ताल का आह्वान किया। धीरे-धीरे आंदोलन में मध्य-वर्ग भी शामिल हो गया, जो चिमनभाई पटेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में महंगाई और भ्रष्टाचार से पहले ही परेशान था। जल्द ही विभिन्न स्थानीय आंदोलन एकजुट होकर नवनिर्माण समिति के बैनर तले आ गए। समिति ने आंदोलन का दायरा बढ़ाते हुए व्यवस्था में व्यापक बदलाव की मांग उठाई। आखिर में मुख्यमंत्री चिमनभाई पटेल को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। गुजरात विधानसभा भंग कर दी गई और नए चुनाव कराए गए।

कांग्रेस (ओ) के वरिष्ठ नेता मोरारजी देसाई जैसे विपक्षी नेताओं ने भी इस आंदोलन का समर्थन किया था। संघ की छात्र इकाई एबीवीपी की भी इसमें भागीदारी थी। वास्तव में, इस आंदोलन ने राज्य में जनसंघ (भाजपा का पूर्ववर्ती स्वरूप) के उभार का पथ प्रशस्त किया था। पहले वह गैर-कांग्रेसी गठबंधनों का हिस्सा बना और अंततः 1995 में भाजपा ने वहां अपने दम पर सरकार बनाई, जिसके बाद से वह आज तक सत्ता से बाहर नहीं हुई है।

1974 में ही जेपी गुजरात आए थे। वहां के आंदोलन से प्रेरित होकर वे बिहार लौटे और कांग्रेस सरकार के खिलाफ इसी तरह का आंदोलन खड़ा किया। इसमें लालू यादव और नीतीश कुमार जैसे युवा छात्र नेता भी शामिल हुए, जिन्होंने आगे चलकर कई दशकों तक राज्य की राजनीति पर प्रभुत्व कायम रखा। अंततः मुख्यमंत्री अब्दुल गफूर की सरकार भी सत्ता से बाहर हो गई। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह था कि यह आंदोलन बिहार और गुजरात की सीमाओं से निकलकर सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध का रूप ले बैठा। जेपी ने सम्पूर्ण क्रांति का आह्वान किया।

जब कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर-मंतर पर अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया और बाद में लद्दाख के कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी उससे जुड़ गए, तब ऐसा लग रहा था कि यह आंदोलन धीरे-धीरे बिना किसी खास प्रभाव के समाप्त हो जाएगा। बहुत कम लोगों ने अनुमान लगाया था कि संसद के मानसून सत्र के पहले दिन आयोजित 'संसद चलो' मार्च में दिल्ली की सड़कों पर इतनी बड़ी संख्या में लोग उतरेंगे। लेकिन तब से इन विरोध प्रदर्शनों में केवल छात्र ही नहीं, बल्कि कई अन्य वर्गों के लोग भी शामिल हो चुके हैं।

इनमें ऐसे पैरेंट्स भी हैं, जिन्हें अपने बच्चों के भविष्य की चिंता है; ऐसे स्कूली छात्र हैं जो उच्च शिक्षा के अपने सपनों को लेकर चिंतित हैं; ऐसे वरिष्ठ नागरिक हैं जो युवाओं का उत्साहवर्धन करना चाहते हैं; ऑटो-रिक्शा चालक, बेरोजगार युवा और विभिन्न आयु वर्गों तथा सामाजिक तबकों के अनेक लोग भी इसमें शामिल हैं।

ये विरोध प्रदर्शन अभी शुरुआती दौर में ही हैं। इन्हें अभी एक स्पष्ट और संगठित आंदोलन का स्वरूप लेना बाकी है। इस आंदोलन को अभी अपना 'जेपी' भी नहीं मिला है। यही स्थिति सरकार को अवसर देती है कि इतिहास के खुद को दोहराने से पहले वह इन विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित कर सके। अतीत से अगर कोई सबक लिया जा सकता है तो वो यही है कि सड़कों पर उतरे लोगों के आक्रोश की अनदेखी करना राजनीतिक समझदारी नहीं है।

1974 में जेपी गुजरात आए थे। वहां के नवनिर्माण आंदोलन से प्रेरित होकर वे बिहार लौटे और कांग्रेस सरकार के खिलाफ इसी तरह का आंदोलन खड़ा किया। इसमें लालू-नीतीश जैसे छात्र नेता भी शामिल हुए, जिन्होंने आगे चलकर राज्य की राजनीति पर प्रभुत्व जमाया।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

9वीं-12वीं के एडमिशन-परीक्षा फॉर्म की गाइडलाइन जारी:31 अगस्त तक भरे जाएंगे नामांकन, पोर्टल दोबारा ओपन कराने पर माशिमं लगाएंगा 1000 एक्स्ट्रा शुल्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं से 12वीं तक के नियमित विद्यार्थियों के प्रवेश और बोर्ड परीक्षा फॉर्म भरने संबंधी विस्तृत गाइडलाइन जारी कर दी है। इसके तहत स्कूलों को 31 अगस्त तक प्रवेश सूची के साथ परीक्षा और नामांकन फॉर्म ऑनलाइन भरना होगा।

वहीं परीक्षा आवेदन शुल्क और परीक्षा शुल्क 30 सितंबर तक ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य रहेगा। मंडल ने स्पष्ट किया है कि पोर्टल लॉक (बंद) होने से पहले सभी प्रविष्टियों की अच्छी तरह जांच कर ली जाए। यदि पोर्टल दोबारा खोलने की आवश्यकता पड़ती है तो प्रति दिन 1000 रुपए विलंब शुल्क देना होगा। यह शुल्क स्कूल संस्था से लिया जाएगा और किसी भी स्थिति में विद्यार्थियों से इसकी वसूली नहीं की जाएगी।

माशिमं ने निर्देश दिया है कि कक्षा 9वीं से 12वीं तक के नियमित विद्यार्थियों की ऑनलाइन प्रविष्टि करते समय विशेष सावधानी बरती जाए। यदि किसी छात्र की जानकारी गलत दर्ज होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित संस्था प्रमुख की होगी। मंडल ने यह भी स्पष्ट किया है कि कक्षा 10वीं और 12वीं के विषयों में

संशोधन 31 दिसंबर 2026 के बाद स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

गाइडलाइन के अनुसार प्रैक्टिकल और प्रोजेक्ट परीक्षा के अंक 31 जनवरी 2027 तक ऑनलाइन दर्ज करना अनिवार्य होगा। इसके बाद अंक प्रविष्टि या संशोधन के लिए केवल दो दिन के लिए पोर्टल खोला जाएगा। इस अवधि में भी पोर्टल खोलने पर प्रति दिन 1000 रुपए विलंब शुल्क देना होगा। विलंब शुल्क की गणना 31 जनवरी के बाद से की जाएगी।

मंडल ने सभी मान्यता प्राप्त स्कूलों को निर्देश दिया है कि प्राचार्य सहित पूरे अकादमिक स्टाफ की जानकारी भी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। यदि यह जानकारी समय पर उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो संबंधित स्कूल की प्रवेश सूची और विद्यार्थियों के परीक्षा आवेदन निरस्त किए जा सकते हैं।

माशिमं के अनुसार 10वीं और 12वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद 10 दिन की समय सीमा के भीतर पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जा सकेगा।

प्रमुख तिथियां

31 अगस्त 2026: प्रवेश सूची, नामांकन और परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि।

30 सितंबर 2026: परीक्षा आवेदन शुल्क और परीक्षा शुल्क ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि।

31 दिसंबर 2026: कक्षा 10वीं और 12वीं के विषय संशोधन की अंतिम तिथि।

31 जनवरी 2027: प्रैक्टिकल एवं प्रोजेक्ट परीक्षा के अंक ऑनलाइन दर्ज करने की अंतिम तिथि।

फरवरी 2027: बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को देखते हुए जनवरी से प्रैक्टिकल एवं प्रोजेक्ट परीक्षाएं आयोजित होने की संभावना।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

क्रेडिट कार्ड से कैश ट्रांसफर के नाम पर ठगी

रायपुर। राजधानी रायपुर में इंस्टाग्राम पर दिखे एक विज्ञापन के जरिए क्रेडिट कार्ड से पैसे खाते में ट्रांसफर कराने का झांसा देकर ठगी की गई है। ठगों ने पहले पीड़ित से 50 हजार रुपए जमा करवाए। इसके बाद रकम वापस करने का लालच देकर 20 हजार रुपए और ट्रांसफर करा लिए। इस तरह कुल 70 हजार रुपए से ज्यादा की ठगी के बाद पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़ित की पहचान डूंडा निवासी अनिल कुल्हाड़िया (42) के रूप में हुई है। फिलहाल, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच में जुट गई है। मामला मुजगहन थाना क्षेत्र का है।

मुजगहन पुलिस के अनुसार, डूंडा निवासी अनिल कुल्हाड़िया (42) ने थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई 2026 को उनकी इंस्टाग्राम आईडी पर **fit_sush_model** नाम के अकाउंट से एक विज्ञापन दिखाई दिया।

105 करोड़ से बनेंगे सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप

गांवों को हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ने 3928 करोड़ रुपए मंजूर

रायपुर। प्रदेश में 105.3 करोड़ की लागत से सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप की स्थापना होगी। इसके लिए भारत सरकार की संस्था सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के साथ एमओयू किया गया है। इस सेंटर के माध्यम एआई, मेडटेक, स्मार्ट सिटी और स्मार्ट कृषि क्षेत्र के स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाएगा।

गुरुवार को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद और चिप्स के सीईओ मयंक अग्रवाल ने नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभाग की उपलब्धियों की जानकारी दी। सचिव अंकित आनंद ने बताया कि राज्य के दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

जनवरी 2024 से अब तक 1273 मोबाइल टावर ऑन एयर किए जा चुके हैं। इसी तरह भारतनेट फेज-3 के तहत ग्राम पंचायतों को हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने 3928 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए सीएम आईटी फेलोशिप शुरू की है। इसके तहत 50 स्थानीय युवाओं को ट्रिपलआईटी नया रायपुर के सहयोग से उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण और विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यानुभव दिया जा रहा है। वहीं छत्तीसगढ़ एआई मिशन के तहत एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और एआई डेटा लैब स्थापित की जा रही है।

खनिज ऑनलाइन से ?30311 करोड़ रुपए राजस्व इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद ने बताया कि विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म से सुशासन को मजबूती मिली है। खनिज ऑनलाइन 2.0 से जनवरी 2024 से जून 2026 के बीच 30311.80 करोड़ रुपए का राजस्व मिला। वहीं वन क्लिक-सिंगल विंडो 2.0 में 19 विभागों की 151 सेवाओं का एकीकरण किया गया है।

सेवा सेतु पर 35 विभागों की 564 सेवाएं उपलब्ध छत्तीसगढ़ में सरकारी सेवाओं को डिजिटल माध्यम से लोगों तक पहुंचाने की दिशा में सेवा सेतु राज्य का सबसे बड़ा एकीकृत नागरिक सेवा प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है। इस पोर्टल पर अब 35 विभागों की 564 सेवाएं उपलब्ध हैं। पिछले ढाई वर्षों में यहां 85 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 78 लाख से ज्यादा का निराकरण किया जा चुका है।

भारतनेट क्या है? भारतनेट फेज-3 केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी डिजिटल कनेक्टिविटी परियोजना है, जिसका उद्देश्य देश की सभी ग्राम पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाना है। छत्तीसगढ़ में इस परियोजना के लिए 3928 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

इसके तहत ग्राम पंचायतों, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी कार्यालयों को तेज इंटरनेट से जोड़ा जाएगा। इससे ऑनलाइन शिक्षा, टेलीमेडिसिन, डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस और सरकारी सेवाओं की पहुंच आसान होगी। फाइबर-टू-द-होम के माध्यम से ब्रॉडबैंड सुविधा भी मिलेगी, जिससे डिजिटल कारोबार और रोजगार के नए अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

पशु चिकित्सा विभाग में 20 चिकित्सकों का प्रमोशन, छत्तीसगढ़ सरकार ने जारी किया आदेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को बड़ी सौगात देते हुए 20 पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञों को पदोन्नत कर उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं (राजपत्रित प्रथम श्रेणी) के पद पर नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। यह फैसला विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की अनुशंसा के बाद लिया गया है।

पशुधन विकास विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की उपस्थिति में 6 जुलाई 2026 को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। समिति की अनुशंसा के आधार पर पात्र अधिकारियों को शल्यज्ञ (राजपत्रित द्वितीय श्रेणी) से पदोन्नत कर उप संचालक बनाया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी पदोन्नत अधिकारियों को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से वेतन मैट्रिक्स लेवल-13 के अंतर्गत 67,300 रुपये से 2,13,100 रुपये तक का वेतनमान मिलेगा।

पदोन्नति पाने वाले अधिकारियों में डॉ. शिशिरकांत पांडे, डॉ. आर.एम. त्रिपाठी, डॉ. अच्छे लाल सिंह, डॉ. राजमणि विश्वकर्मा, डॉ. रामदरष जायसवाल, डॉ. ओंकार प्रसाद तिवारी, डॉ. महेन्द्र कुमार पांडे, डॉ. नदीम शम्स, डॉ. व्ही.एस. अवस्थी, डॉ. एम.बी. सिंह, डॉ. सच्चिदानंद मिश्रा, डॉ. आर.पी. शुक्ला, डॉ. एस.के. खरे, डॉ. आई.पी. सिंह, डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह, डॉ. अरविन्द्र कुमार त्रिपाठी, डॉ. विजयराज सिंह बघेल, डॉ. आर.के. तिवारी, डॉ. राजबहोर शर्मा और डॉ. वसीम शम्स शामिल हैं।

विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि पदोन्नत अधिकारियों की नई पदस्थापना के संबंध में अलग से आदेश जारी किया जाएगा। फिलहाल केवल पदोन्नति को मंजूरी दी गई है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह पदोन्नति छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट, बिलासपुर में लंबित संबंधित याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी। यदि न्यायालय के आदेश में कोई बदलाव होता है, तो उसका प्रभाव इन पदोन्नतियों पर भी पड़ेगा।

छत्तीसगढ़ डीएलएड प्रथम और द्वितीय वर्ष का रिजल्ट जारी:पहले वर्ष में 6,755 और दूसरे में 6,669 परीक्षार्थी थे पंजीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने डीएलएड (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम) प्रथम और द्वितीय वर्ष मुख्य/अवसर परीक्षा-2026 का परीक्षा परिणाम गुरुवार को जारी कर दिया। परीक्षार्थी मंडल की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रोल नंबर दर्ज कर रिजल्ट देख सकते हैं।

वेबसाइट पर ऐसे देखें रिजल्ट

परीक्षार्थी छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की आधिकारिक वेबसाइट **www.cgbse.nic.in** पर जाकर अपना रोल नंबर दर्ज कर परीक्षा परिणाम डाउनलोड कर सकते हैं।

इतने छात्र-छात्राएं थे पंजीकृत

डीएलएड प्रथम वर्ष परीक्षा में 3,256 छात्र और 3,499 छात्राएं शामिल हुईं। इस तरह कुल 6,755 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। वहीं, डीएलएड द्वितीय वर्ष परीक्षा में 3,541 छात्र और 3,128 छात्राएं शामिल हुईं। इस परीक्षा में कुल 6,669 परीक्षार्थियों ने पंजीयन कराया था।

रायपुर में 2 नए सरकारी कॉलेज शुरू:बेन्द्री में डिग्री कॉलेज, नवा रायपुर में संगीत महाविद्यालय, बीए, बीएससी और बीकॉम में मिलेगा प्रवेश

रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग ने रायपुर जिले में इस शैक्षणिक सत्र से 2 नए सरकारी कॉलेज शुरू किए हैं। इनमें अभनपुर के बेन्द्री में शासकीय महाविद्यालय और नवा रायपुर अटल नगर में शासकीय संगीत महाविद्यालय शामिल हैं। दोनों संस्थानों में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।

नए शासकीय महाविद्यालय बेन्द्री में इस सत्र से बीए, बीएससी (बायोलॉजी), बीएससी (मैथ्स) और बीकॉम प्रथम वर्ष की कक्षाएं शुरू होंगी। बीए और बीकॉम में 90-90 सीटें, जबकि

बीएससी बायोलॉजी और बीएससी मैथ्स में 45-45 सीटें तय की गई हैं।

कॉलेज में प्रवेश पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से होगा। इच्छुक छात्र-छात्राओं से तय समय सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की गई है।

सत्र 2026-27 से नए शासकीय संगीत महाविद्यालय नवा रायपुर अटल नगर भी शुरू किया गया है। यहां बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (बीपीए) के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश दिए जाएंगे।

कॉलेज में शास्त्रीय गायन (हिंदुस्तानी), कथक नृत्य और लोक संगीत की पढ़ाई होगी। कुल 40 सीटें निर्धारित की गई हैं।

ऑफलाइन भरना होगा आवेदन

संगीत महाविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन ऑफलाइन होंगे। आवेदन पत्र शासकीय नागार्जुन स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय रायपुर से प्राप्त किए जा सकते हैं। अधिकारियों ने इच्छुक विद्यार्थियों से समय पर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

दो साल तक छिपी रही जन्मजात बीमारी, डॉक्टरों ने किया कमाल, सफल सर्जरी से बच्चे को मिली राहत

रायपुर। मामूली चोट लगने के बाद दो वर्षीय बच्चे को अचानक सांस लेने में गंभीर तकलीफ हुई। शुरुआती जांच में इसे टेंशन न्यूमोथोरैक्स माना गया, लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर उसे इट्सा हॉस्पिटल्स रेफर किया गया। यहां विशेषज्ञों ने विस्तृत जांच में पाया कि बच्चे को जन्मजात दुर्लभ बीमारी कंजेनिटल डायफ्रामैटिक हर्निया (सीडीएच) है, जो दो वर्ष तक छिपी रही थी। इस बीमारी में डायफ्राम में छेद होने से पेट के अंग छाती में पहुंच जाते हैं और फेफड़ों पर दबाव पड़ता है।

सही समय पर बीमारी की पहचान

डॉ. सचिन पिटलवार, डॉ. स्वास्ति केशरी और रेडियोलॉजिस्ट डॉ. देवव्रत दुबे की टीम ने सही समय पर बीमारी की पहचान की। इसके बाद पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. तन्मय मोतीवाला ने सफल ऑपरेशन कर पेट, आंत और प्लीहा को वापस सही स्थान पर स्थापित किया तथा डायफ्राम की मरम्मत की। एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी डॉ. एम.डी. असरार सिद्दीकी ने संभाली।

छत्तीसगढ़ में हार्ट मरीजों के लिए बड़ी खुशखबरी! एसीआई में अब नियमित होगी बायपास और वॉल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी

सर्जरी के बाद आईसीयू में निगरानी

सर्जरी के बाद बच्चे को पीडियाट्रिक आईसीयू में निगरानी में रखा गया और कुछ दिनों बाद वह पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौट गया। विशेषज्ञों ने सलाह दी कि बच्चों में सांस लेने में तकलीफ, उल्टी, पेट फूलना या चोट के बाद अचानक तबीयत बिगडने् जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत विशेषज्ञ से जांच करानी चाहिए।

चोट के बाद बढ़ी सांस की तकलीफ

दो वर्षीय बच्चे को मामूली चोट लगने के बाद अचानक सांस लेने में गंभीर परेशानी होने लगी। प्रारंभिक जांच में डॉक्टरों ने इसे टेंशन न्यूमोथोरैक्स माना, लेकिन उपचार के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसके बाद बच्चे को बेहतर इलाज के लिए इट्सा हॉस्पिटल्स, रायपुर रेफर किया गया।

जांच में सामने आई दुर्लभ जन्मजात बीमारी

इट्सा हॉस्पिटल्स में विशेषज्ञों ने विस्तृत जांच की तो पता चला कि बच्चे को कंजेनिटल डायफ्रामैटिक हर्निया नामक दुर्लभ जन्मजात बीमारी है। इस बीमारी में डायफ्राम (छाती और पेट को अलग करने वाली मांसपेशी) में जन्म से छेद होता है, जिसके कारण पेट के अंग जैसे आंत और प्लीहा छाती में पहुंच जाते हैं। इससे फेफड़ों पर दबाव पड़ता है और सांस लेने में गंभीर समस्या हो सकती है।

27 जुलाई तक स्कूल नहीं लौटे तो जाएगी नौकरी:हड़ताल पर गए अतिथि शिक्षकों की सेवाएं खत्म करेगा शिक्षा विभाग, डीईओ को निर्देश जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हड़ताल कर रहे अतिथि शिक्षकों को स्कूल शिक्षा विभाग ने अल्टीमेटम दिया है। विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को निर्देश जारी करते हुए कहा कि, 27 जुलाई 2026 तक यदि हड़ताल पर गए अतिथि शिक्षक वापस काम पर नहीं लौटते हैं, तो उनकी सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी।

इसके बाद स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी आदेश में कहा है कि, नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से ही अतिथि शिक्षक हड़ताल पर हैं, जिससे सरकारी स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ऐसे में सभी जिला शिक्षा अधिकारी शाला प्रबंधन समितियों के माध्यम से हड़तालरत अतिथि शिक्षकों को 27 जुलाई तक कार्य पर लौटने का नोटिस दें।

यदि कोई अतिथि शिक्षक तय समय सीमा तक स्कूल नहीं लौटता है, तो विभागीय निर्देशों के खंड 7.3 के तहत उसकी अध्यापन व्यवस्था तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी जाएगी। साथ ही विद्यार्थियों की पढ़ाई जारी रखने के लिए दूसरे शिक्षकों की व्यवस्था करने को कहा गया है।

प्रदेश के अलग-अलग जिलों में अतिथि शिक्षक अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। दुर्ग में विद्यामितान (अतिथि शिक्षक) पिछले 23 दिनों से हिंदी भवन के सामने धरने पर बैठे हैं। आंदोलन में सैकड़ों अतिथि शिक्षक शामिल हैं।

ये हैं प्रमुख मांगें

अतिथि शिक्षक लंबे समय से 'समान काम, समान वेतन', सेवा सुरक्षा, संविलियन और मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे पिछले 11-12 वर्षों से, नक्सल प्रभावित इलाकों समेत प्रदेश के विभिन्न सरकारी स्कूलों में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें स्थायी दर्जा नहीं मिला है।

अतिथि शिक्षकों का कहना है कि वर्तमान में मिलने वाला करीब 20 हजार रुपए का मानदेय परिवार चलाने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसी कारण वे अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए अनुशासन, मेहनत और जिम्मेदारियों को निभाने का रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली और समय पर काम पूरा करने की आदत वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी। हालांकि किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने से बचें, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही परेशानी का कारण बन सकती है। व्यापारियों को नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन हर निर्णय सोच-समझकर लें।

वृषभ। आज नौकरीपेशा लोगों के लिए नई जिम्मेदारियां और अधिकार मिलने के प्रबल योग हैं। आपकी कार्यक्षमता और ईमानदारी के कारण वरिष्ठ अधिकारी आप पर भरोसा जताएंगे। यदि लंबे समय से पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की प्रतीक्षा कर रहे थे, तो शुभ समाचार मिल सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को भी लाभ मिलने के संकेत हैं।

मिथुन। आज का दिन व्यापार और करियर के लिहाज से शुभ संकेत लेकर आया है। कोई महत्वपूर्ण बिजनेस डील आपके पक्ष में जा सकती है, जिससे आर्थिक लाभ मिलने की संभावना बढ़ेगी। आपकी संवाद क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी और नए संपर्क भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा तथा रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे।

कर्क। आज नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए दिन शुभ साबित हो सकता है। नए अवसर मिलेंगे और किए गए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और ईमानदारी की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा तथा आय बढ़ाने के नए रास्ते खुल सकते हैं। परिवार में खुशहाली का वातावरण रहेगा और प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा।

सिंह। आज लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलने के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में रुके हुए कार्य पूरे होंगे और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। व्यापारियों के लिए भी दिन लाभदायक रहेगा तथा नई योजनाओं से अच्छा मुनाफा मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन संबंधी चिंताएं कम होंगी। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा घर का वातावरण सुखद बना रहेगा।

कन्या। आज कार्यभार अधिक रहने के कारण मानसिक थकान महसूस हो सकती है। इसलिए अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और नियमित योग, ध्यान तथा पर्याप्त आराम को दिनचर्या में शामिल करें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और अनुशासन की सराहना होगी, लेकिन खुद पर जरूरत से ज्यादा दबाव न डालें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी और खर्चों पर नियंत्रण रखना उचित रहेगा।

तुला। आज आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। किसी भी प्रकार का निवेश या बड़ा वित्तीय निर्णय लेने से पहले पूरी जानकारी अवश्य प्राप्त करें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग भी बना रहेगा। व्यापारियों को नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन जल्दबाजी से बचना जरूरी होगा।

वृश्चिक। आज चंद्रमा आपकी ही राशि में होने से आत्मविश्वास और मानसिक शक्ति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य की सराहना करेंगे। व्यापारियों के लिए लाभ के नए अवसर बनेंगे तथा रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और भविष्य की योजनाओं को गति मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा प्रियजनों के साथ समय बिताकर मानसिक शांति प्राप्त होगी।

धनु। आज नए लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाने का श्रेष्ठ समय है। भाग्य आपका साथ देगा और लंबे समय से रुके हुए कार्यों में प्रगति होगी। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति और आत्मबल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी तथा आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम करना लाभदायक होगा।

मकर। आज कामकाज में व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलने से सभी कार्य समय पर पूरे होंगे। वरिष्ठ अधिकारी आपकी कार्यशैली और जिम्मेदारी निभाने की क्षमता से प्रभावित रहेंगे। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी तथा भविष्य के लिए बनाई गई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा और प्रियजनों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन अधिक काम के कारण थकान महसूस हो सकती है।

कुंभ। आज आपकी रचनात्मकता चरम पर रहेगी और नए विचार आपको सफलता की ओर ले जाएंगे। कला, लेखन, मीडिया या रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ रहेगा। धन लाभ के अच्छे संकेत हैं और रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा तथा नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा और मित्रों से लाभदायक सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या बनाए रखना जरूरी है।

मीन। आज परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा और घर का वातावरण आनंदमय रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और ईमानदारी का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी तथा भविष्य की योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन पढ़ाई और नई चीजें सीखने के लिहाज से अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन संतुलित आहार और नियमित व्यायाम पर ध्यान देना लाभदायक होगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है। धैर्य, संयम और सकारात्मक सोच बनाए रखेंगे तो दिन आपके लिए खुशियां, संतोष और सफलता लेकर आएगा।

सीआईडी की फिर बड़ी कार्रवाई

जेपीएससी के पूर्व चेयरमैन के आवास पर सीआईडी की छापेमारी, कई दस्तावेज जब्त

रांची। जांच एजेंसी की टीम ने जेपीएससी ऑफिस और टीडीपीएल के ठिकाने को भी फिर से खंगाला झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर गुरुवार को सीआईडी ने आयोग के पूर्व चेयरमैन एल ख्यांगते के आवास पर छापेमारी की। सीआईडी ने एक ?बार फिर जेपीएससी कार्यालय और परीक्षा संचालन करने वाली एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) के ठिकानों को भी खंगाला।

इन तीनों जगह से कंप्यूटर, एडिशनल हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव और कई दस्तावेजों को जब्त किया। सीआईडी ने विधिवत रूप से सीजर लिस्ट तैयार कर इन्हें जब्त किया है, ताकि जरूरत पड़ने पर साक्ष्य के रूप में इसे कोर्ट में पेश किया जा सके।

इससे पहले सीआईडी ने मंगलवार को भी जेपीएससी कार्यालय, आयोग की उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता के आवास और परीक्षा एजेंसी टीडीपीएल से जुड़े आठ ठिकानों पर छापेमारी की थी। आठ संदिग्धों से पूछताछ की थी। फिर बुधवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर ?जेल भेजा गया था। उधर, छापेमारी के कुछ घंटे बाद ही चेयरमैन एल ख्यांगते ने इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने लिखा था कि पूरी पारदर्शिता से काम किया। लेकिन सीआईडी की छापेमारी से वे आहत हैं। इसलिए इस्तीफा दे रहे हैं। वहीं इस मामले में सीआईडी जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। आने वाले दिनों में कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

इधर, भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। कई पार्टियां इस पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रही है, ताकि सच सामने आ सके। वे सीआईडी की जांच से संतुष्ट नहीं हैं।

कई दस्तावेज लेकर ख्यांगते के आवास पर पहुंची थी टीम इस मामले की जांच अधिकारी (आईओ) डीएसपी सरिता मुर्मू के नेतृत्व में सीआईडी की टीम ख्यांगते के आवास पर पहुंची थी। चार गाड़ियों में पहुंचे करीब आधा दर्जन पुलिस अधिकारियों ने उनके आवास की चार घंटे तक तलाशी ली। इस दौरान सीआईडी की टीम अपने साथ कुछ दस्तावेज लेकर भी पहुंची थी। इसमें टीडीपीएल से जुड़े कुछ दस्तावेज थे। सूत्रों के मुताबिक उन दस्तावेजों को लेकर टीम में ख्यांगते से पूछती की। शाम करीब चार बजे टीम उनके आवास पर पहुंची। फिर देश शाम टीडीपीएल से जुड़े एक ठिकाने पर छापेमारी की, दो देर रात तक जारी थी।

गिरफ्तार पांच आरोपियों को रिमांड पर लेने के लिए आज कोर्ट में आवेदन देगा सीआईडी सीआईडी ने इस मामले में जेपीएससी की उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता, टीडीपीएल के निदेशक रामवीर सिंह, मार्केटिंग मैनेजर मनोज कुमार तिवारी उर्फ अभय कुमार तिवारी और दो कर्मचारी मो. उस्मान व एबाद को गिरफ्तार किया है। इन्हें रिमांड पर लेने के लिए सीआईडी शुक्रवार को कोर्ट में आवेदन देगी। इसके बाद इनसे पूछताछ की जाएगी। सीआईडी पता लगाएगी कि टीडीपीएल का किस आधार पर चयन किया गया। एजेंसी के चयन में जेपीएससी के किन-किन अधिकारियों की भूमिका थी। मास्टरमाइंड मनोज कुमार तिवारी ने किन-किन अभ्यर्थियों से संपर्क कर रखा था।

ख्यांगते की अमेरिकी यात्रा की भी जांच होगी, सीआईडी खंगालेगा कि किसके खर्च पर 2 बार विदेश गए जेपीएससी चेयरमैन रहते एल ख्यांगते ने दो बार विदेश यात्रा की। पहली बार 18 अक्टूबर 2025 को अमेरिका गए। यह यात्रा 30 दिन की थी। वे 17 नवंबर 2025 को लौटे थे। दूसरी बार फिर 13 मई 2026 को फिर अमेरिका गए और नौ दिन बाद 22 मई को रांची लौटे। दोनों बार वे लोकभवन की अनुमति लेकर विदेश गए थे।

उन्होंने यात्रा का उद्देश्य निजी बताया था। अब सीआईडी यह भी खंगालेगा कि जेपीएससी अध्यक्ष रहते वे क्यों और किसके खर्च पर दो बार अमेरिका गए थे। ख्यांगते 1988 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी है। वे 6 दिसंबर 2023 से 31 अक्टूबर 2024 तक झारखंड के मुख्य सचिव रहे थे। मुख्य सचिव पद से रिटायर होने के बाद 27 फरवरी 2025 को उन्हें जेपीएससी का अध्यक्ष बनाया गया था। जेपीएससी कार्यालय पर सीआईडी की छापेमारी के बाद 21 जुलाई को उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

गलत वायरिंग या ओवरलोड तो नहीं मिलेगा कनेक्शनः जेबीवीएनएल ने सभी इंजीनियरों को जारी किया सख्त आदेश

रांची। सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जेबीवीएनएल ने नए और पुराने एलटी बिजली कनेक्शनों के लिए सख्त सुरक्षा मानक लागू कर दिए हैं। रांची विद्युत आपूर्ति क्षेत्र के महाप्रबंधक-सह-मुख्य अभियंता मनमोहन कुमार ने सभी अधीक्षण अभियंताओं, कार्यपालक अभियंताओं और सहायक अभियंताओं को निर्देश जारी किया है कि गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का हर हाल में पालन कराया जाए।

अब नए बिजली कनेक्शन जारी करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उपभोक्ता के परिसर में एमसीबी और आरसीसीबी/ईएलसीबी जैसे सुरक्षा उपकरण लगे हों। साथ ही आईएसआई मार्क वाला मानक सर्विस वायर का उपयोग किया गया हो और वायर की क्षमता स्वीकृत लोड के अनुरूप हो। यदि वायरिंग असुरक्षित मिली या ढीले-ढाले तरीके से तार जुड़े पाए गए तो बिजली कनेक्शन जारी नहीं किया जाएगा।

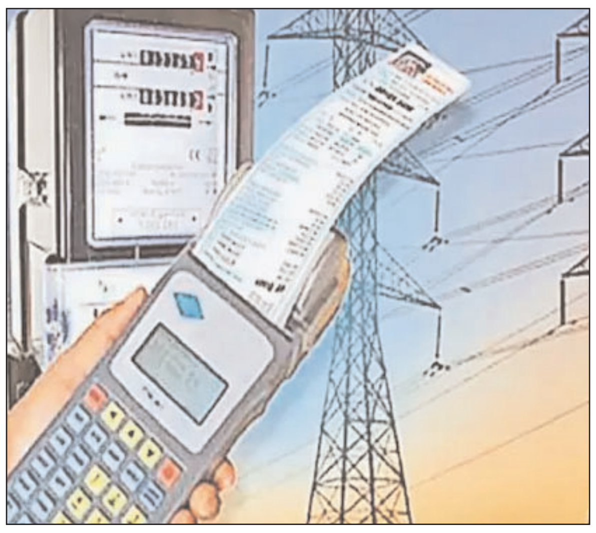

पुराने बिजली कनेक्शनों की भी होगी जांच

जीएम मनमोहन कुमार ने ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि केवल नए कनेक्शन ही नहीं, बल्कि पुराने कनेक्शनों का भी नियमित निरीक्षण किया जाए। जहां भी सुरक्षा मानकों का उल्लंघन मिलेगा, उसे तुरंत ठीक कराया जाएगा और बिजली अधिनियम-2003, झारखंड विद्युत नियामक आयोग सप्लाई कोड तथा जेबीवीएनएल के नियमों के तहत कार्रवाई होगी।

उपभोक्ताओं होगा यह फायदा

बिजली का झटका और आग लगने जैसी घटनाओं का खतरा कम होगा।

नया कनेक्शन लेने से पहले घर की वायरिंग मानक के अनुसार करानी होगी।

घरेलू कनेक्शन का व्यावसायिक उपयोग करने पर कार्रवाई हो सकती है।

एक ही कनेक्शन से दूसरे भवन या दुकान को बिजली देने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ये बड़े बदलाव होंगे

हर नए एलटी कनेक्शन में एमसीबी और आरसीसीबी/ईएलसीबी अनिवार्य।

केवल आईएसआई मार्क एवं निर्धारित गुणवत्ता वाले सर्विस वायर का उपयोग होगा।

स्वीकृत लोड के अनुसार ही वायर का आकार और क्षमता तय होगी।

एक बिजली कनेक्शन से दूसरे मकान, दुकान, प्लॉट या भवन में बिजली देना पूरी तरह प्रतिबंधित।

पांच अगस्त को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होगीः एसआईआर... झारखंड में 17.56 लाख वोटरों के नाम सूची से हटेंगे

रांची। झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम चल रहा है। इसकी ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन पांच अगस्त को होगा। इसमें 17,56,154 वोटरों के नाम कटेंगे। क्योंकि इनके इन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं हुए हैं। ये वो मतदाता हैं, जो अनुपस्थिति हैं, मृत पाए गए हैं या दो जगह उनके नाम थे।

राज्य की वर्तमान मतदाता सूची में 4.99 लाख मतदाता मृत पाए गए हैं। वर्ष 2026 की मतदाता सूची में मतदाताओं की कुल संख्या 2.64 करोड़ है। मैपिंग के बाद 2.61 करोड़ यानी 98.90% मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराए गए थे। मतदाताओं द्वारा भरे हुए एवं हस्ताक्षर किए हुए इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन की कुल संख्या 2.05 करोड़ है।

इन मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किए गए हैं। जिन मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म नहीं मिले, उनमें 4.99 लाख मृत, 1.62 लाख अनुपस्थित, 7.81 लाख स्थाई रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं। इसके अलावा 2.07 लाख मतदाता दूसरे स्थान पर नामांकित करा चुके हैं। इन्यूमरेशन फॉर्म पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने वाले मतदाताओं की कुल संख्या 5587 है। इस तरह इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन की अब तक कुल संख्या 2 करोड़ 22 लाख 63 हजार 810 (84%) है।

ई-टेलीमेडिसिन व मोबाइल पोषण वैन की प्रगति की डीसी ने की समीक्षा

बोकारो। गुरुवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में ई-टेलीमेडिसिन एवं मोबाइल पोषण वैन कार्यक्रम की प्रगति का समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज कुमारी फाउंडेशन की ओर से गोमिया एवं पेटरवार प्रखंडों में संचालित कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बताया गया कि गोमिया एवं पेटरवार प्रखंड के 27 आंगनबाड़ी केंद्रों के पोषक क्षेत्रों में मोबाइल पोषण एवं ई-टेलीमेडिसिन कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं पहुंचाई जा रही है। अब तक 828 बच्चों की पोषण जांच की गई है, जिनमें से कुछ बच्चों को गहन पोषण देखभाल (इंटेंसिव केयर पाथवे) से जोड़ा गया है। वहीं 653 लोगों को टेली-मेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। नियमित पोषण आहार, स्वास्थ्य परामर्श और सतत निगरानी के कारण अल्प अवधि में ही बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में उत्साहजनक सुधार दर्ज किया गया है। डीसी ने कहा कि कुपोषण के खिलाफ लड़ाई केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के भविष्य को सुरक्षित करने का अभियान है। उन्होंने नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल, धात्री माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण तथा आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक सक्षम बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों का समय पर उपचार अत्यंत आवश्यक है।

बड़गाईं जमीन घोटाले में 14 लोगों के खिलाफ आरोप तयः तीन आरोपियों पर 11 अगस्त को आरोप तय होगा

रांची। बड़गाईं अंचल की 8.86 एकड़ जमीन घोटाले और उससे जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को पीएमएलए कोर्ट ने 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिया। स्पेशल जज योगेश कुमार की कोर्ट ने आरोप पढ़कर सुनाया और आरोपियों से जवाब मांगा। सभी आरोपियों ने इन आरोपों को सिरे से नकार दिया और सुनवाई की मांग की। इसके बाद कोर्ट ने आरोप गठित कर दिया।

जिन आरोपियों पर आरोप तय किए गए, उनमें पूर्व राजस्व उपनिरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, तापस घोष, शेखर कुशवाहा, मो. सद्दाम हुसैन, आनंद तिर्की उर्फ अंतु तिर्की, अफसर अली, मो. इरशाद अख्तर, कुमार राजश्री, मनोज कुमार यादव, प्रिय रंजन सहाय, विपिन सिंह, बिजेंद्र सिंह, संजीत कुमार और मो. इरशाद शामिल हैं। इस मामले में कुल 17 आरोपी हैं।

शेष तीन आरोपियों ने हाईकोर्ट में डिस्चार्ज पिटीशन दायर कर रखा है। उन पर आरोप गठन के लिए कोर्ट ने 11 अगस्त की तिथि निर्धारित की है। ईडी ने 26 फरवरी 2023 को इसकी जांच शुरू की थी। जांच एजेंसी के मुताबिक आरोपियों ने संगठित गिरोह बनाकर इस भुईंहरी जमीन की अवैध खरीद-बिक्री की।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	3		8	4				
			9					
		5						
2	5				7	4	8	
		1					3	
	7	3						1
	4							
		8	6			9		
9								

पिछले अंक का उत्तर

2	3	5	9	8	6	7	4	1
6	8	7	4	2	1	9	5	3
9	1	4	3	5	7	2	8	6
4	7	2	8	3	5	6	1	9
3	6	8	2	1	9	5	7	4
5	9	1	7	6	4	8	3	2
1	4	6	5	7	2	3	9	8
8	5	9	6	4	3	1	2	7
7	2	3	1	9	8	4	6	5

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

सिटी केयर अस्पताल के ब्लड सेंटर में गड़बड़ी औषधि निदेशालय ने लाइसेंस निलंबित किया

बोकारो। स्वास्थ्य मानकों से खिलवाड़ और नियमों की लगातार अनदेखी करने वाले संस्थानों पर राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। चास स्थित सिटी केयर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के ब्लड सेंटर का लाइसेंस राज्य औषधि नियंत्रण निदेशालय ने निलंबित कर दिया है। इस संबंध में निदेशालय के निदेशक द्वारा 20 जुलाई को औपचारिक आदेश जारी किया गया है। ब्लड सेंटर के संचालन में जारी धांधली का खुलासा औचक निरीक्षणों के दौरान हुआ था। पहला संयुक्त निरीक्षण 31 अक्टूबर 2025 को ड्रग इंस्पेक्टर पुतली बिलुंग व डॉ. मैथिली ठाकुर की संयुक्त टीम ने जायजा लिया तो कई गंभीर अनियमितताएं और कमियां सामने आईं। रिपोर्ट के आधार पर विभाग ने कड़ा कदम उठाते हुए ब्लड संग्रह, भंडारण, जांच और वितरण पर रोक लगा दी थी। प्रबंधन द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण के बाद जब 9 मार्च को दोबारा जांच की गई, तब भी नियमों का उल्लंघन पाया गया।

वैभव सूर्यवंशी बने टी-20 इंटरनेशनल के सबसे युवा हाफ सेंचुरियन:भारत ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया; श्रेयस की कप्तानी में पहली जीत

हरारे। भारत ने पहले टी-20 में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। हरारे में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 125 रन बनाए।

जवाब में भारत ने 13.2वें ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल 118 दिन की उम्र में अर्धशतक जड़कर इतिहास रच दिया। वे टी-20 इंटरनेशनल में फिफ्टी लगाने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए। उन्होंने जिब्राल्टर के लुई ब्रूस का रिकॉर्ड तोड़ा। ब्रूस ने 16 साल 56 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

यह श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की पहली जीत भी रही। इससे पहले उन्हें आयरलैंड सीरीज में 2-0 और इंग्लैंड सीरीज में 4-0 से हार का सामना करना पड़ा था।

मधेवेरे ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए

वेस्ली मधेवेरे ने सबसे ज्यादा 39 रन की पारी खेली। आखिर में तदिवानाशे मरुमानी ने नाबाद 27 रन जोड़कर टीम को 100 के पार पहुंचाया। भारत की ओर से मयंक यादव और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए। मयंक ने पारी की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट किया और फिर डियोन मायर्स का विकेट भी झटका। शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को 1-1 विकेट मिला। वेस्ली मधेवेरे रन आउट हुए।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, मयंक यादव और अशोक शर्मा।

जिम्बाब्वे: ब्रायन बेनेट, तादिवानाशे मारुमानी, बेन करन, डिओन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रयान बर्ल, वेस्ली मधेवेरे, ब्रैड इवांस, न्यूमैन न्यामहुरी, रिचर्ड नगारवा और ब्लेसिंग मुजरबानी।

भारत ने जिम्बाब्वे को पहले टी-20 में 7 विकेट से हरा दिया। 126 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारत ने 13.2 ओवर में 3 विकेट खोकर 126 रन बनाए।

ब्लेसिंग मुजाराबानी ने 12वें ओवर में भारत को दूसरा झटका दिया। उन्होंने ईशान किशन को 24 गेंदों पर 35 रन के स्कोर पर आउट किया। गेंद अतिरिक्त उछाल के साथ बल्ले के ऊपरी हिस्से पर लगी और कवर पर खड़े डियोन मायर्स ने कैच लपक लिया।

सूर्यवंशी टी-2- इंटरनेशनल में फिफ्टी लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर

सूर्यवंशी ने 15 साल 118 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर इतिहास रच दिया। वे टी-20 इंटरनेशनल में फिफ्टी लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 16 साल 56 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाने वाले जिब्राल्टर के लुई ब्रूस का रिकॉर्ड तोड़ा।

वैभव सूर्यवंशी ने 19 गेंदों पर अपना पहला इंटरनेशनल अर्धशतक पूरा किया, लेकिन अगली ही गेंद पर आउट हो गए। रिचर्ड नगारवा की गेंद पर वे कवर की दिशा में बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में डीप थर्ड पर बेन करन को कैच दे बैठे। सूर्यवंशी ने 19 गेंदों पर 50 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल रहे।

भारत ने 6 ओवर के बाद 1 विकेट के नुकसान पर 66 रन बना लिए हैं। ईशान किशन ने इस ओवर में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 3 चौके लगाए और 11 गेंदों पर 16 रन बना लिए हैं। वैभव सूर्यवंशी 17 गेंदों पर 48 रन बनाकर क्रीज पर हैं। भारत को जीत के लिए 60 रन और चाहिए।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 700 अंक टूटा, निफ्टी 23,646 पर खुला; वैश्विक दबाव से शेयर बाजार में भारी बिकवाली

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच गुरुवार, 24 जुलाई को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत भारी गिरावट के साथ हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 700 अंक टूटकर 75,613 के स्तर पर खुला, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 200 अंक की गिरावट के साथ 23,646 पर कारोबार करता दिखाई दिया। शुरुआती कारोबार में ऑटो, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली रही, जिससे निवेशकों का रुझान कमजोर नजर आया।

बाजार पर वैश्विक तनाव का भी असर देखने को मिला। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ता है तो कच्चे तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, जिससे भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर भी दबाव बढ़ सकता है। एशियाई बाजारों में भी गिरावट का माहौल रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 5.46 प्रतिशत, जापान का निक्केई 2.79 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 1.32 प्रतिशत तक फिसल गया। वहीं, अमेरिकी बाजारों में भी पिछले कारोबारी सत्र में कमजोरी रही। डाउ जोन्स 507 अंक, नैस्डैक 553 अंक और एसएंडपी 500 इंडेक्स 91 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए।

विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले सात कारोबारी दिनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (स्नढ्ढढ्ढ) ने 3,289 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (ष्ठढ्ढढ्ढ) ने 3,184 करोड़ रुपये की खरीदारी कर बाजार को कुछ सहारा दिया।

इससे पहले 23 जुलाई को भी भारतीय शेयर बाजार दबाव में रहा था। सेंसेक्स 364 अंक गिरकर 76,391 पर और निफ्टी 127 अंक टूटकर 23,870 पर बंद हुआ था। लगातार दूसरे दिन आई इस गिरावट ने निवेशकों की सतर्कता और बढ़ा दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक घटनाक्रम और कच्चे तेल की कीमतों पर बाजार की आगे की दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी।

चांदी आज 2,924 सस्ती, 2.19 लाख पर आई: सोना 1,848 गिरकर 1.42 लाख पर आया; चांदी ऑल टाइम हाई से 1.67 लाख सस्ती हुई

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 24 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 2,924 रुपए घटकर 2.19 लाख रुपए पर आ गई है।

वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,848 रुपए गिरकर 1.42 लाख रुपए पर आ गया है। एक दिन पहले चांदी 2.22 लाख रुपए और सोना 1.44 लाख रुपए पर था।

ऑल टाइम हाई से 1.67 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 34,000 रुपए सस्ता हो चुका है।

वहीं, चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 1.67 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

सोने-चांदी के दाम में आगे तेजी देखने को मिल सकती है

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं। हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

कॉमनवेल्थ गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी: मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ने तिरंगा लेकर भारतीय दल की अगुआई की; किंग चार्ल्स ने किया उद्घाटन

ग्लासगो। कॉमनवेल्थ गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हुई। ओवो हाइड्रो एरिना में दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और टोक्यो ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने तिरंगा लेकर 125 सदस्यीय भारतीय दल की अगुआई की।

ब्रिटेन के किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने खेलों का उद्घाटन किया। इसके बाद भारत समेत 74 देशों के खिलाड़ियों ने मार्च-पास्ट में हिस्सा लिया।

भारत के लिए खेलों की शुरुआत भी शानदार रही। उद्घाटन समारोह से पहले ही भारतीय खिलाड़ियों ने लॉन बॉल्स में दो जीत दर्ज कर विजयी आगाज किया। पुतुल सोनोवाल ने वर्ल्ड चैम्पियन कनाडा के रेयान बेस्टर को मात दे दी। महिला डबल्स में रूपा रानी तिर्की और पिंकी ने भी अपना पहला मैच जीता। भारतीय जोड़ी ने 'ग्रुप बी' के मैच में माल्टा की रिक्कसन बहनों (रेबेका लुईस और कोनी-लेघ) को टाईब्रेकर में हराया।

वहीं भारतीय ध्वजवाहक लवलीना बोरगोहेन महिला 75 किलोग्राम वर्ग में सीधे सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण बिना मुकाबला खेले ही कम से कम ब्रॉन्ज पक्का कर चुकी हैं।

स्कॉटलैंड की संस्कृति से हुई शुरुआत, किंग चार्ल्स ने किया उद्घाटन

ओपनिंग सेरेमनी की शुरुआत स्कॉटलैंड की संस्कृति, इतिहास और विरासत के विशेष वीडियो से हुई। इसके बाद किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला एरिना पहुंचे। उनके साथ प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम भी मौजूद रहे। यूनाइटेड किंगडम का राष्ट्रगान 'गॉड सेव अवर किंग' प्रस्तुत किया गया और फिर एक-एक कर सभी 74 देशों और क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने मार्च-पास्ट किया।

भारत 125 खिलाड़ियों के साथ उतरा

23 जुलाई से 2 अगस्त तक चलने वाले इन खेलों में भारत 125 खिलाड़ियों का दल भेजा है। ओपनिंग सेरेमनी ग्लासगो के ओवो हाइड्रो एरिना में हुई, जहां करीब 13 हजार दर्शक मौजूद रहे। भारतीय दल इस बार एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, वेटलिफ्टिंग, लॉन बॉल्स समेत 10 खेलों में चुनौती पेश करेगा।

मार्च-पास्ट खत्म होने के बाद स्कॉटलैंड की संस्कृति और विरासत को दर्शाने वाला कार्यक्रम हुआ। पारंपरिक बैगपाइप की धुन, स्थानीय कलाकारों के संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उद्घाटन समारोह को यादगार बना दिया।

SA 20 का 5वां सीजन 17 जनवरी से शुरू होगा: ओपनिंग मैच में डिफेंडिंग चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप और प्रिटोरिया कैपिटल्स आमने-सामने

साउथ अफ्रीका की प्रमुख टी-20 लीग एसए 20 के पांचवें सीजन के शेड्यूल का ऐलान कर दिया गया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 17 जनवरी से होगी। पहला मुकाबला गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में डिफेंडिंग चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप और प्रिटोरिया कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला पिछले सीजन के फाइनल का री-मैच होगा,जहां दोनों टीमें आमने-सामने थीं। लीग कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने नए सीजन के शेड्यूल की घोषणा करते हुए कहा कि नए सीजन की शुरुआत उन्हीं दो टीमों के मुकाबले से करना सबसे मुफीद है। प्रिटोरिया कैपिटल्स ने अपने मैनेजमेंट और लीडरशिप में बदलाव किया है। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को टीम का नया हेड कोच बनाया गया है,जबकि साउथ अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं। शुरुआती दो सीजनों में पहले दौर से बाहर होने वाली प्रिटोरिया की टीम ने नई लीडरशिप में जबरदस्त वापसी की और पिछले सीजन में सीधे फाइनल तक का सफर तय किया।

सचिन ने कहा- पेपर लीक पर नाराजगी जायज: शुभमन गिल ने शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट का समर्थन किया; कैफ बोले- छात्रों पर लाठीचार्ज गलत

पेपर लीक और देशभर में हो रहे छात्र आंदोलन पर कई खिलाड़ियों ने प्रतिक्रिया दी है। सचिन तेंदुलकर, शुभमन गिल, इरफान पठान, मोहम्मद कैफ, शिखर धवन और अभिनव बिंद्रा ने एजुकेशन में मेरिट, ईमानदारी और छात्रों के भविष्य पर जोर दिया।

सचिन ने छात्रों की नाराजगी को जायज बताया है। भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि हमें छात्रों के हित को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहिए। वहीं कैफ ने कहा है कि छात्रों पर लाठी चार्ज नहीं होना चाहिए।

सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उनके पिता ने बचपन में सिखाया था, 'असफल होना ठीक है, लेकिन चीटिंग नहीं।' उन्होंने कहा कि 'अगर छात्रों को लगे कि उनकी मेहनत का फल नहीं मिला, तो उनका निराश होना स्वाभाविक है। समाज को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जहां मेहनत का सम्मान हो, ईमानदारी को बढ़ावा मिले और मेरिट की जीत हो।'

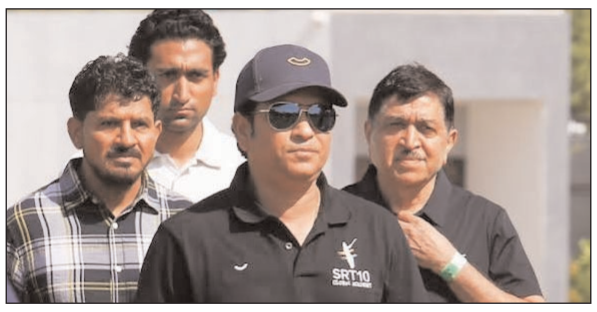

रतीय टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने वाले युवाओं का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को सीखने, सपने देखने और भविष्य बनाने का हर अवसर मिलना चाहिए। शिक्षा देश का भविष्य तय करती है, इसलिए सभी पक्षों को छात्रों के हित को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहिए।

पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज को लकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था की कमियों के खिलाफ आवाज उठा रहे छात्रों को सड़कों पर पीटा जाना दुखद है। उन्होंने जल्द समाधान निकालने की अपील की।

इरफान ने कहा- पेपर लीक नहीं होने चाहिए

इरफान पठान ने कहा कि हर छात्र और उसका परिवार बेहतर भविष्य के लिए सालों तक मेहनत करता है। पेपर लीक किसी भी छात्र की उम्मीद नहीं छीनना चाहिए। उन्होंने भरोसा जताया कि छात्रों को निष्पक्ष मौका मिलेगा और भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं दोहराई जाएंगी।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड टेस्ट मैच भारत में कराने पर विचार: ऑस्ट्रेलिया CEO बोले-भारत बड़ा मार्केट, संभावनाओं के लिए दरवाजे खुले; शेड्यूल व्यस्त होना बड़ी चुनौती

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के **CEO** टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा है कि भविष्य में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच भारत में टेस्ट मैच कराने पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार में क्रिकेट के लिए बड़े मौके हैं, हालांकि फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है।

भारत में नए क्रिकेट कंटेंट की संभावना

बीबीसी के 'स्टंप्ड' पॉडकास्ट में ग्रीनबर्ग ने कहा, 'हमें सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए। **ECB** और **BCCI** दोनों के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। भारत में क्रिकेट का नया कंटेंट ले जाने के मौके हैं। अभी ऐसी कोई योजना नहीं है, लेकिन भविष्य में इस पर विचार किया जा सकता है।'

उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट क्रिकेट मजबूत स्थिति में है और इसे आगे बढ़ाना जरूरी है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का व्यस्त कैलेंडर सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

ग्रीनबर्ग ने कहा, 'साल में सिर्फ 365 दिन होते हैं। जितना क्रिकेट और कंटेंट हम देना चाहते हैं, उसके लिए शायद एक-दो महीने और चाहिए।'

चेन्नई में होगा बिग बैश का ओपनिंग मैच

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस साल दिसंबर में पहली बार बिग बैश लीग का ओपनिंग मैच भारत में कराएगा। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच मुकाबला खेला जाएगा। इसी तरह भविष्य में भारत में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच प्रदर्शनी टेस्ट कराने की संभावना भी देखी जा रही है।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड की हालिया वित्तीय रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के खिलाफ सीरीज बोर्ड के लिए सबसे ज्यादा कमाई करने वाली सीरीज में शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि **ECB** की आय काफी हद तक भारत जैसी बड़ी ब्रॉडकास्ट सीरीज पर निर्भर करती है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में पुरुष और महिला एशेज की मेजबानी के बावजूद बोर्ड को घाटे की आशंका है।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच अगली एशेज सीरीज 2027 में इंग्लैंड में खेली जाएगी। इससे पहले मार्च 2027 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (स्ष्टत्र) पर दोनों टीमों के पहले टेस्ट की 150वीं वर्षगांठ पर डे-नाइट (पिंक बॉल) टेस्ट खेला जाएगा। यह मुकाबला एशेज सीरीज का हिस्सा नहीं होगा।

सत्ता शासन के लिए नहीं, सेवा के लिए : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 73 करोड़ से अधिक के कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज कोरबा में सुनालिया नहर मार्ग स्थित बहुप्रतीक्षित मल्टी-लेवल पार्किंग का लोकार्पण तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी परिसर का भूमिपूजन किया। उन्होंने नगर निगम द्वारा दादरखुर्द में आयोजित लोकार्पण, भूमिपूजन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होकर कोरबा जिले को 73 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने 36 करोड़ 37 लाख 94 हजार रुपये की लागत के 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 37 करोड़ 45 लाख 40 हजार रुपये की लागत के 7 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। वाणिज्य एवं उद्योग श्री लखनलाल देवांगन, जिला पंचायत के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह कँवर, महापौर

श्रीमती संजू देवी राजपूत और नगर निगम के सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर, दादरखुर्द में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। गरीबों के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका सीधा लाभ लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आज कोरबा को करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात मिली है, ऊर्जाधानी कोरबा निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

साव ने कहा कि सरकार के पास विकास कार्यों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं है। शासन का प्रत्येक रुपया जनता के हित और विकास के लिए खर्च किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) की राशि का भी अब बेहतर एवं जनहितकारी उपयोग हो रहा है। हमारी सरकार शासन करने के लिए नहीं, बल्कि सेवा करने के लिए है और जनता की यह सेवा निरंतर जारी रहेगी।

उप मुख्यमंत्री ने मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बीते ढाई वर्षों में जिले में उल्लेखनीय विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (एएचपी) के हितग्राहियों को बधाई देते हुए कहा कि आज केवल आवास की चाबी ही नहीं, बल्कि उनके जीवन में नई खुशियों का भी प्रवेश हुआ है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आने वाले समय में यहां सड़क, आंगनबाड़ी सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री के मार्गदर्शन में जिले के विकास के लिए लगातार राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

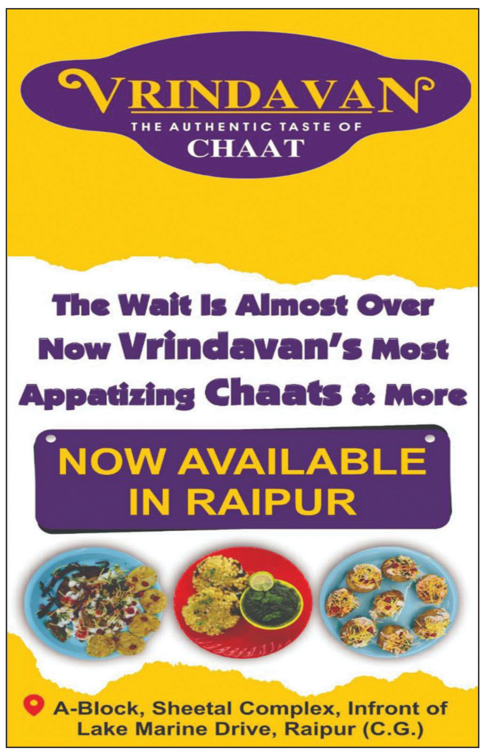

प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण का अनूठा संगम है नंदनवन जंगल सफारी

320.15 हेक्टेयर में फैला नंदनवन जंगल सफारी बना प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों का पसंदीदा केंद्र

रायपुर। नंदनवन जंगल सफारी नवाँ रायपुर में पर्यटकों के लिए कई प्रकार की रोमांचक सफारी राइड्स उपलब्ध हैं, जिनमें शाकाहारी सफारी, टाइगर सफारी, भालू सफारी और लायन सफारी प्रमुख हैं। इसके अलावा यहाँ एक छोटा चिड़ियाघर (नंदनवन जू) भी है।

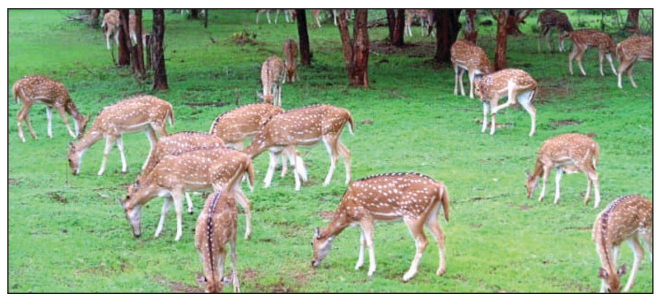

छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर (अटल नगर) के सेक्टर-39 में स्थित नंदनवन जंगल सफारी राज्य के प्रमुख पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण केंद्रों में शामिल है। 320.15 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला यह विशाल परिसर प्रकृति प्रेमियों, वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। यहां वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ पर्यटकों को प्राकृतिक वातावरण में वन्यजीवों को देखने और उनके बारे में जानने का अवसर मिलता है।

नंदनवन की शुरुआत वर्ष 1979 में रायपुर में 'नंदनवन मिनी जू' के रूप में हुई थी। यह वन्यजीवों के रेस्क्यू और राहत केंद्र के रूप में विकसित किया गया था। वर्ष 2008 में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने इसे आधिकारिक रूप से 'मिनी जू' की मान्यता दी।

इसके बाद नवा रायपुर में आधुनिक और विशाल जंगल सफारी विकसित करने के लिए वर्ष 2012 से 2015 के बीच 320.15 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई। 1 नवंबर 2016 को छत्तीसगढ़ राज्य के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नंदनवन जंगल सफारी का उद्घाटन किया।

नंदनवन जंगल सफारी का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों का संरक्षण, दुर्लभ प्रजातियों का संरक्षण एवं प्रजनन और लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यहां वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप सुरक्षित और तनावमुक्त आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है।

विद्यार्थियों और पर्यटकों को वन्यजीवों तथा जैव विविधता के महत्व की जानकारी देने के लिए यहां विभिन्न पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

नंदनवन जंगल सफारी को वन्यजीवों की सुरक्षा और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग जोन में विकसित किया गया है।

320.15 हेक्टेयर में फैला नंदनवन जंगल सफारी बना प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों का पसंदीदा केंद्र

30.89 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस जोन में चीतल, सांभर, नीलगाय और काला हिरण जैसे वन्यजीव प्राकृतिक वातावरण में विचरण करते हैं।

सीएसआर साझेदारी से पोषण और बाल विकास कार्यक्रमों को मिलेगी नई गति

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग ने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से राज्य में पोषण, बाल विकास एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इसी उद्देश्य से आज सिविल लाइंस स्थित सर्किट हाउस में विभाग और विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ राज्य स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दीर्घकालिक सहयोग की रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार ने कहा कि महिलाओं और बच्चों का समग्र विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। शासन द्वारा संचालित योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाने में उद्योगों की सामाजिक भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सीएसआर सहयोग के माध्यम से पोषण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल, महिला सशक्तिकरण, आंगनबाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण तथा नवाचार आधारित गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने उद्योगों से विभाग के साथ दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करने का आह्वान करते हुए कहा, 'आप सबके सहयोग से हम स्वर्णिम छत्तीसगढ़ बनाएंगे।

नैनो डीएपी अपनाकर आधुनिक खेती की ओर बढ़े किसान अनिल

एमसीबी। आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग के प्रति लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका सकारात्मक असर अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। एमसीबी जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पसौरी निवासी किसान अनिल मिश्रा ने इस खरीफ सीजन में पहली बार अपनी खेती में नैनो डीएपी का उपयोग करने का निर्णय लिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684